यीशु पुकारते हैं

YEESHU PUKARTHE HEIN HINDI MONTHLY - AUGUST 2025
VOL. 24 ISSUE 2 - 28 PAGES - RS. 21/-

अगस्त 2025

इसके अंदर

आशीषों का पिता
डॉ पॉल दिनाकरन

युवा वर्ग
इच्छाएं पूरी हुई!

परिवार आशीष योजना
अभाव से उधार देने तक

बेतहसदा में परमेश्वर
की चमत्कारी शक्ति

धर्मियों से कहो कि उनका भला होगा, क्योंकि उसके कामों का फल उसको मिलेगा

(यशायाह 3:10)

आशीषों का पिता

प्रिय मित्र, प्रभु ने मुझे बताया है कि वह आपको पिता बनने वाले है। हाँ, इसी महीने से तुम परमेश्वर को अपना पिता बनते देखोगे।

''और तुम्हारा पिता हूंगा, और तुम मेरे बेटे और बेटियां होगे: यह सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर का वचन है'' (2 कुरिन्थियों 6:18)

आशीर्वाद

प्रभु अब से आप को अपने पिता के रूप में अनुभव कराएँगे और अब तक आपने जो भी हानियाँ, कष्ट और दुःख देखे हैं, उसके लिए आपको भरपूर आशीष देंगे और आपके लिए हर बंद दरवाजा खोल देंगे, और जहाँ भी आपने अब तक शर्मिंदगी का अनुभव किया है, वहाँ आपको सम्मान देंगे।

लूका 11:13 में, बाइबल कहती है, 'अतः यदि तुम बुरे होकर भी अपने बच्चों को अच्छी वस्तुएँ देना जानते हो, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता अपने माँगनेवालों को पवित्र आत्मा क्यों न देगा!' हाँ, परमेश्वर अच्छी वस्तुएँ देते हैं। पवित्र आत्मा सबसे बडा अच्छा उपहार है जो वह हमें देते हैं। जब परमेश्वर की आशीषें आती हैं, तो वे शापों को नष्ट कर देती हैं, जैसा कि व्यवस्थाविवरण 23:5 में लिखा है, 'परन्तु तेरे परमेश्वर यहोवा ने बिलाम की ना सुनी; किन्तु तेरे परमेश्वर यहोवा ने तेरे निमित्त उसके शाप को आशीष से पलट दिया, इसलिये कि तेरा परमेश्वर यहोवा तुझ से प्रेम रखता था।' जी हाँ, आशीषें शापों को नष्ट कर देती हैं। संसार शाप लाता है, परन्तु परमेश्वर आशीषें भेजता है। एक के बाद एक बैलिस्टिक मिसाइल आ सकती है, लेकिन एक और मिसाइल उसे नष्ट करने के लिए आती है। उसी तरह, जब शत्रु आपको नष्ट करने के लिए बैलिस्टिक मिसाइल भेजता है, तो परमेश्वर की भलाई दूसरी ओर से आती है और उसे नष्ट कर देती है। आप विजयी होंगे। वह कहते हैं, 'एक के बाद एक आशीषें आती रहेंगी। यूहन्ना 1:16 मैं तुम्हारा पिता हूँ। मैं तुम्हारी सहायता करूँगा।'

बढी हुई आशीषें

दूसरी बात, आप परमेश्वर को अपने पिता के रूप में अनुभव करेंगे और

डॉ पॉल दिनाकरन - paul@jesuscalls.org

Pauldhinakaranofficial

अपने जीवन में बढी हुई आशीषें प्राप्त करेंगे। यशायाह 51:2 में, बाइबल कहती है, 'अपने पिता अब्राहम पर, और सारा पर जिसने तुम्हें जन्म दिया, ध्यान दो; क्योंकि मैंने उसे अकेले बुलाया, और आशीष दी और बढाया।'

परमेश्वर ने अब्राहम को तब बुलाया जब वह अकेला था। उसने उसे आशीष दी और उसे बढाया। परमेश्वर वृद्धि का परमेश्वर है। वह चाहता कि आप स्थिर रहें।

दुगुनी मात्रा में आशीषें

और जकर्याह 9:12 में, वह कहता है, ' हे आशा धरे हुए बन्दियों! गढ.की ओर फिरो; मैं आज ही बताता हूं कि मैं तुम को बदले में दूना सुख दूंगा।' हाँ, जो कुछ आप ने खोया है, वह आप को दुगुना वापस मिलेगा। दुगुनी मुसीबत नहीं, बल्कि दुगुनी आशीषें। जब मुसीबतें आती हैं, तो वे एक ही समय में चारों तरफ से आती हैं। लेकिन जब आशीषें आती हैं, तो वे चारों तरफ से, साथ ही ऊपर और नीचे से भी आती हैं क्योंकि यीशु ने हर मुसीबत की कीमत चुकाई है। हमारी आशा क्रूस पर यीशु के कष्ट और विजय में है।

''यह तेरे पिता के उस परमेश्वर का काम है, जो तेरी सहायता करेगा, उस सर्वशक्तिमान को जो तुझे ऊपर से आकाश में की आशीषें, और नीचे से गहिरे जल में की आशीषें, और स्तनों, और गर्भ की आशीषें देगा''

(उत्पत्ति 49:25)

आज, परमेश्वर आपको दुगुना भाग पाने की इच्छा देता है। यही सबसे बडा आशीर्वाद है जो आपको मिल सकता है। वर्षों के कष्टों को यह कहते हुए स्वीकार न करें, 'मैं समाप्त हो गया हूँ। मेरा कोई भविष्य नहीं है। सब कुछ खत्म हो गया है। मैं अब किसी काम का नहीं हूँ। मेरी उम्र इतनी है कि मैं किसी काम का नहीं हूँ। मेरी स्थिति ऐसी है कि मैं किसी काम का नहीं हूँ।'

दोगुना पाने की इच्छा

अब परमेश्वर आपमें वृद्धि की, बहुतायत की, अत्यधिक बहुतायत की, दुगुने भाग की, गुणन की इच्छा डालेगा। भजन संहिता 20:4 वह यह इच्छा आपके हृदय में डालेगा। यदि आप सभोपदेशक 3:11 पढें, तो बाइबल कहती है, 'उसने हर चीज. को अपने समय पर सुंदर बनाया है, और संसार को उनके हृदय में भी रखा है...' यही इच्छा है। शरीर की इच्छा गलत है। लेकिन आत्मा की इच्छा परमेश्वर द्वारा दी जाती है। गलातियों 5:16 में, बाइबल कहती है, 'इसलिए मैं कहता हूँ,आत्मा के अनुसार चलो, तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे।' पवित्र आत्मा आपको परमेश्वर की योजना के अनुसार बढने, दुगुना पाने की इच्छा देगा।

दुगुना भाग कैसे प्राप्त करें?

बाइबल में एक व्यक्ति था जो दोगुना चाहता था। उसका नाम एलीशा था। जब एलिय्याह ने कहा, 'मेरे जाने और संसार छोडने का समय आ गया है।' उसने कहा, 'एलीशा, तुम मुझसे क्या चाहते हो? तुम मुझसे क्यों चिपके हुए हो?' एलीशा ने कहा, 'मैं परमेश्वर की आत्मा का दोगुना चाहता हूँ जो तुम में है, जो तुम पर है।'

आज, क्या आप अपने स्वर्गीय पिता से लडेंगे और कहेंगे: 'मुझे आपकी आत्मा, आपका आनंद, आपकी आशीषें और मेरे लिए क्रूस पर आपके बलिदान का दोगुना फल चाहिए। आपने पहले ही बलिदान दे दिया है। मुझे आशीष और विरासत का दोगुना हिस्सा चाहिए।' लेकिन एलीशा को दोगुना हिस्सा पाने के लिए, उसे एलिय्याह के साथ चलना पडा। जब मेरे पिता ने 1962 में टी.एल. ऑसबोर्न को यीशु के नाम पर अपने सेवकाई के माध्यम से भारत के लोगों के लिए चमत्कार करते देखा, तो उन्होंने कहा: 'मुझे यह यीशु चाहिए। मैंने केवल यीशु के वचनों के बारे में सुना है। लेकिन मैंने चमत्कारी यीशु का अनुभव नहीं किया है।' मेरे पिता ने सात साल तक प्रभु यीशु से प्रार्थना की कि वे उन पर अपनी आत्मा प्रदान करें। इसके उत्तर में प्रभु यीशु उनके सामने प्रकट हुए और उन्हें लोगों के प्रति अपने प्रेम की आत्मा प्रदान करते हुए उनका अभिषेक किया। इससे उनका जीवन बदल गया। मेरे पिता के प्रेम और करुणा के प्रचार के माध्यम से लाखों लोग परमेश्वर के राज्य में आ चुके है। यह यहीं नहीं रुका। परमेश्वर की कृपा उनके पुत्र, उनकी पुत्रवधू और उनके बच्चों पर बरसी है। और आज, अगली पीढी भी यीशु के प्रेम को और भी आगे ले जाने के लिए तैयार है। एक व्यक्ति की इच्छा से, परमेश्वर की आत्मा से संपन्न होने की एक व्यक्ति की इच्छा से, पाँच पीढ़ियों का अभिषेक और आशीर्वाद हुआ है।

तो आज, आपको दोगुना भाग मिलने वाला है। लेकिन वह कौन सा मार्ग है जिसकी आवश्यकता है? आप यीशु बुलाता है में हमारे साथ चल सकते हैं ताकि लाखों लोगों को आशीर्वाद देने के लिए हमें दिए गए मिशन को पूरा कर सकें, जैसे एलीशा एलिय्याह के साथ चले थे।

आइए मैं आपको उस मार्ग के बारे में जल्दी से बताता हूँ

अंत तक दृढ़ रहें और आप राजाओं, देश के लोगों और भाषाओं का मार्गदर्शन करने और परमेश्वर के राज्य का उपशिक्षक करने के लिए हमारे स्वर्गीय पिता के प्रतिनिधि होंगे

जिसने एलीशा को दोगुना भाग दिलाया। यह केवल प्रार्थना करना और यह कहना नहीं है, 'हे प्रभु, मुझे दोगुना भाग दे।' आपको दोगुना भाग प्राप्त करने के लिए यीशु और उनके आज के सेवकों के साथ चलना होगा।

संसार से अपना खतना करें

यदि आप 2 राजा 2:1 पढते हैं, तो वे जिस पहली जगह साथ गए थे वह गिलगाल था। एलीशा और एलिय्याह दोनों गिलगाल में थे। गिलगाल क्या है? यदि आप यहोशू 5:9 पढें, तो यह वह स्थान है जहाँ यहोशू ने सभी इस्राएलियों का खतना किया था, इससे पहले कि वे दासता से मुक्त होकर प्रतिज्ञा किए गए देश में प्रवेश करें। सभी इस्राएलियों का खतना किया गया था, और तभी वे प्रतिज्ञा किए गए देश में प्रवेश करने के लिए तैयार या योग्य थे। हमें आज शारीरिक रूप से नहीं, बल्कि आध्यात्मिक रूप से खतना करवाना जरूरी है ताकि हम अपने जीवन, सेवकाई और परिवार के लिए प्रतिज्ञाओं में प्रवेश कर सकें और उन्हें प्राप्त कर सकें। हमारे जीवन में दुगुना भाग, या वृद्धि, या गुणन, या अत्यधिक आशीर्वाद प्राप्त करने का पहला कदम खतना है।

यदि आप निर्गमन 4:24-26 पढें, तो परमेश्वर जलती हुई झाडी के माध्यम से मूसा से बात करते हैं और कहते हैं: 'जाओ और मेरे लोगों को मिस्र से निकालो और उन्हें फिरौन से छुडाओ।' यह मूसा के जीवन के लिए एक महान आदेश था। वह एक खानाबदोश था, एक ऐसा व्यक्ति जिसे एक राजा द्वारा मार डाला जाना था। परमेश्वर कहते हैं, 'वापस जाओ और एक जाति को बचाओ। जाओ और एक जाति का निर्माण करो। उन लोगों से एक नई जाति बनाओ जो उत्पीडित हैं, जो दासता में हैं।' यही हमारा मिशन है। परमेश्वर को केवल एक व्यक्ति की आवश्यकता है, केवल एक व्यक्ति जो उसकी आवाज़ सुनकर लोगों को बचाए और यीशु बुलाता है के मिशन के माध्यम से उन्हें परमेश्वर की जाति बनाए। बहुत हिचकिचाहट के साथ, मूसा, उसकी पत्नी और उसका बेटा मिस्र वापस जाते हैं। लेकिन फिर, बाइबल कहती है कि रास्ते में, परमेश्वर ने मूसा को मारने की कोशिश की। मूसा केवल परमेश्वर के मिशन पर जा रहा था। वह प्रभु की आज्ञा का पालन कर रहा था। लेकिन परमेश्वर मूसा को मारने आया!

यह चौकाने वाला है, है ना? कई बार, हमारे जीवन में बिल्कुल ऐसा ही होता है।

जब परमेश्वर ने मेरे पिता से भारत में एक विश्वविद्यालय बनाने के लिए कहा, ईसाई दृष्टिकोण वाला पहला व्यावसायिक विश्वविद्यालय, भारत में डैनियल और यूसुफ को बढाने के लिए, हमारे हाथ में कुछ भी नहीं था। परमेश्वर हमेशा आपसे तब बात करता है जब आपके हाथ में कुछ नहीं होता। जब आप पराजित होते हैं। जब आप फर्श पर पडे होते हैं। जब आप पर थूका जाता है। तभी ईश्वर आते हैं और कहते हैं: 'एक विश्वविद्यालय बनाओ। एक चिकित्सा केंद्र, एक अस्पताल, एक परामर्श केंद्र, एक सेवकाई, एक अनाथालय वगैरह बनाओ।

लेकिन फिर जो पहली घटना घटी वह हृदय विदारक थी। मेरी बहन, जो सिर्फ 17 साल की थी, एक क्रूर कार दुर्घटना में मारी गई। वह मेरे माता-पिता के साथ यात्रा कर रही थी। मेरे पिता उसे दिन में कम से कम 50 बार चूमते थे। वह उससे बहुत प्यार करते थे। एक ट्रक, जो सडक़ के गलत साइड से विपरीत दिशा में जा रहा था, उस कार से टकरा गया जिसमें वे यात्रा कर रहे थे। वह मेरे पिता की गोद में मृत अवस्था में गिर पडी। एक पल में, वह चली गई। हमारा दिल टूट गया था। लेकिन प्रभु आए और कहा, 'तुम कब तक रोते रहोगे? स्वर्गदूत मेरे साथ है। क्या तुम स्वर्गदूतों के सामने मेरा इन्कार करोगे? क्या तुम शैतान के सामने मेरा इन्कार करोगे? या तुम इस कष्ट के बीच भी खडे होकर कहोगे, 'हम अब भी प्रभु का अनुसरण करेंगे?' और हमने कहा, 'प्रभु, हम और कहाँ जा सकते हैं? हमें स्वर्ग पहुँचना है। हम आपसे कोई प्रश्न नहीं करेंगे। हमें बस आप पर भरोसा है।' तुरंत, परमेश्वर की आत्मा, जो हमारी कमजोरियों में हमारी मदद करती है, आई और हमें अपनी आत्मा में ऊपर उठाया। आज, जिस विश्वविद्यालय की स्थापना का अधिकार हमें उसी वर्ष मिला था, उसमें दुनिया भर के लगभग 40,000 स्नातक हैं, जो इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, कृषि के उच्चतम स्तरों पर कार्यरत हैं, और कई लोग परमेश्वर के सेवक के रूप में प्रभु की सेवा कर रहे हैं। हमें खतना करवाना पड़ा। परमेश्वर से कोई प्रश्न नहीं! परमेश्वर को दोष देने या जीवन में अपने साथ जो कुछ भी होता है,

उसके लिए परमेश्वर से उत्तर माँगने की चमडी को काट डालो।

मूसा की पत्नी सिप्पोरा ने अपने बेटे की चमडी काट दी और उसके खून से सनी चमडी मूसा पर डाल दी। वह लोगों को छुडाने के लिए परमेश्वर की शक्ति से मिस्र में प्रवेश करने के लिए बच गया। आज भी, ऐसी कई चीजें.हैं जिन्हें हमसे दूर कर देना चाहिए।

घृणा और कुडक़ुडाहट से खुद का खतना करें

पहला उदाहरण यशायाह 1:15 में मिलता है, जहाँ परमेश्वर कहते हैं, 'जब तुम प्रार्थना में अपने हाथ फैलाते हो, तो मैं अपनी आँखें तुमसे छिपा लेता हूँ; जब तुम बहुत प्रार्थना करते हो, तब भी मैं तुम्हारी एक न सुनूँगा। तुम्हारे हाथ खून से भरे हैं!' वह खून क्या है? 1 यूहन्ना 3:15 में, बाइबल कहती है, 'जो कोई अपने भाई या बहन से घृणा करता है, वह हत्यारा है; और तुम जानते हो कि किसी हत्यारे में अनन्त जीवन नहीं रहता।' जो कोई अपने भाई या बहन से घृणा करता है (भले ही वे आपको चोट पहुँचाने के दोषी हों) वह हत्यारा है। यीशु ने हमें सभी से प्रेम करना सिखाया। उन्होंने पुकारा, 'हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं' (लूका 23:34)। यीशु उन लोगों से भी प्रेम करते थे अपने शरीर के साथ-साथ अपने हृदय को भी यह कहते हुए शुद्ध किया, 'यदि मैं उन्हें क्षमा नहीं करूँगा, तो और कौन करेगा? मेरे पास पापों को क्षमा करने, सारे बोझ उठाने और चंगाई लाने की शक्ति है। मैं इसका उपयोग क्षमा करने और बचाने के लिए करूँ। मैं बचाने आया हूँ, नाश करने नहीं।' घृणा और चोट की खलडी काट डालो। जिन्होंने तुम्हारे साथ बुरा किया है, उन्हें क्षमा करके अपने हृदय को स्वस्थ करो और परमेश्वर को देखने का अनुग्रह पाने के लिए सभी मनुष्यों के साथ शांति बनाए रखो। इब्रानियों 12:14 कहता है, 'सब के साथ मेल-मिलाप से रहने और पवित्र बने रहने का हर संभव प्रयास करो; पवित्रता के बिना कोई प्रभु को नहीं देखेगा।' 1 यूहन्ना 4:20 कहता है, 'जो कोई परमेश्वर से प्रेम करने का दावा करता है, परन्तु अपने भाई या बहन से घृणा करता है, वह झूठा है। क्योंकि जो अपने भाई या बहन से, जिसे उसने देखा है, प्रेम नहीं रखता, वह परमेश्वर से, जिसे उसने नहीं देखा, प्रेम नहीं कर सकता।'

दूसरी खलडी जो काटी जानी है, वह है 'बडबड़ाना'

आमोस 5:23 में प्रभु कहते हैं, 'अपने गीतों का कोलाहल मुझ से दूर करो; तुम्हारी सारंगियों का सुर मैं न सुनूंगा।' यशायाह 29:13 में प्रभु कहते हैं, 'प्रभु ने कहा, ये लोग जो मुंह से मेरा आदर करते हुए समीप आते परन्तु अपना मन मुझ से दूर रखते हैं, और जो केवल मनुष्यों की आज्ञा सुन सुनकर मेरा भय मानते हैं।' हमारे हृदयों को प्रभु से दूर कौन ले जाता है? वह है बडबडाना। जब इस्राएलियों को मिस्र से निकाला गया और फिरौन से छुडाया गया, तो उन्हें भोजन या पानी नहीं मिला, इसलिए वे प्रभु के विरुद्ध बडबडाने लगे। फिर भी वे प्रार्थना करने जाते थे। वे लंबी प्रार्थनाएँ करते थे। वे परमेश्वर को संगीत अर्पित करते थे। लेकिन जब मुसीबतें आती थीं, तो वे परमेश्वर के विरुद्ध बडबडाने लगते थे। निर्गमन 16:7,8 में मूसा ने बडबडाने वालों से कहा, '...उसने तुम्हारा अपने विरुद्ध बडबडाना सुना है। हम कौन हैं, कि तुम हमारे विरुद्ध बडबडाओ?' 'तुम हमारे विरुद्ध नहीं, बल्कि प्रभु के विरुद्ध बडबडा रहे हो।'

मेरे जीवन में जब भी परमेश्वर भविष्यवाणी के माध्यम से मुझसे बात करते और मुझे विश्वास के साथ लाखों लोगों की सेवा करने के लिए एक विशाल परियोजना शुरूकरने के लिए कहते, मेरे हाथ में कुछ भी नहीं होता, जैसे मूसा, याकूब, दाऊद के साथ हुआ था, जिनके पास केवल एक लाठी थी और मृत्यु उनके पीछे-पीछे चल रही थी, मेरे पास भी कुछ नहीं होता, सिवाय उन दुष्ट लोगों के तीव्र हमलों के जिनका मेरे जीवन से कोई लेना-देना नहीं है। वे झूठ फैलाते और परमेश्वर द्वारा दिए गए मिशन को रोकने के लिए हमारी प्रतिष्ठा को नष्ट करने की कोशिश करते। लेकिन अब, मैंने परमेश्वर के मेरे प्रति प्रेम और मुझे गहरे पानी से बाहर निकालने और हमें पानी पर चलने में सक्षम बनाने की उनकी महान शक्ति के लिए उनकी स्तुति करना सीख लिया है।

मुझे एहसास हुआ कि परमेश्वर के साथ चलने का मतलब तूफानों से बचना नहीं, बल्कि उनके साथ उनके ऊपर चलना है। बडब़डाने से केवल उनकी उपस्थिति दूर हो जाती थी। लेकिन जब मैंने भविष्यवाणी पर विश्वास करने और उसे साकार करने के लिए प्रार्थना करने का फैसला किया, तो हर बंद दरवाजा खुल गया। हमारा विरोध करने वाले लोग हमेशा चुप रहे हैं, और न्याय की जीत हुई है। हम देश के सामने घोषणा कर सकते हैं: 'हमारा परमेश्वर राज करता है।' इन सबके माध्यम से, मैंने सीखा है: हम विजेता से भी बढक़र हैं, इसलिए नहीं कि लडाई आसान है, बल्कि इसलिए कि परमेश्वर विश्वासयोग्य है। सचमुच, अय्यूब का परमेश्वर जीवित है। 'यद्यपि वह मुझे मार भी डाले, तौभी मैं उस पर आशा रखूँगा' (अय्यूब 13:15)

खतना कहता है, अब 'मैं' नहीं, बल्कि मसीह मुझमें निवास करता है। आपकी प्रतिष्ठा कभी नहीं डगमगा सकती क्योंकि यह परमेश्वर के सामने धमी है। आपका नाम परमेश्वर के सामने धमी है। जब आप कभी कुडकुडाएँगे नहीं, कभी किसी से घृणा

नहीं करेंगे और सभी से प्रेम करेंगे, तो आप उठ खडे.होंगे और एक विजेता से भी बढक़र होंगे।

परमेश्वर की बुलाहट में बने रहें

तब एलिय्याह ने कहा, 'मुझे बेतेल जाना है।' और एलीशा ने कहा, 'मैं तुम्हारे पीछे बेतेल जाऊँगा।' बेतेल क्या है? बेतेल उत्पत्ति 28:19 में पहले दर्शन का स्थान है। परमेश्वर ने एलीशा को याद दिलाया कि उसे याद है कि जब एलिय्याह ने उसे बिना शर्त अपने पीछे सेवकाई करने के लिए बुलाया था, तो एलीशा ने आने वाले दिनों में परमेश्वर के महान आह्वान को पूरा करने के लिए अपने धनी जीवन और अपने माता-पिता को दासता की सेवकाई में छोड.दिया था। उसने एलीशा को याद दिलाया कि अब समय आ गया है कि वह उसके बुलावे को ईमानदारी से स्वीकार करने के लिए उसका सम्मान करे।

' तू ने जो जो काम अपनी करुणा और सच्चाई से अपने दास के साथ किए है, कि मैं जो अपनी छडी ही ले कर इस यरदन नदी के पार उतर आया, सो अब मेरे दो दल हो गए हैं, तेरे ऐसे ऐसे कामों में से मै एक के भी योग्य तो नहीं हूं।'

(उत्पत्ति 32:10)

याकूब ने अपने माता-पिता को छोड.दिया, उसके पास कुछ भी नहीं था। उसके पीछे मृत्यु का भय था क्योंकि उसका भाई उसे मार डालना चाहता था। उसके हाथ में बस एक छडी थी, और कुछ नहीं। लेकिन उसके पास आज्ञाकारिता का सहारा था। उसने अपने माता-पिता की आज्ञा मानी थी। उसके माता-पिता ने कहा, 'उठो और जाओ।' और उसने बस उनकी बात मान ली। और उसके माता-पिता का परमेश्वर उसके पीछे-पीछे चला। परमेश्वर उसके सामने प्रकट हुए और कहा, 'मैं तुम्हें यह देश दूँगा। आज, तुम कुछ भी नहीं हो, लेकिन आने वाले दिनों में मैं तुम्हें कुछ बना दूँगा क्योंकि तुमने अपने माता-पिता के माध्यम से मेरी आज्ञा का पालन किया है। तुमने मेरे वचन का पालन किया है।' पूर्ण आज्ञाकारिता का अर्थ है बिना कुछ हाथ में लिए आज्ञा मानना। बेथेल वह स्थान है जहाँ हम अपने पहले दर्शन और पहले बुलाहट की ओर लौटते हैं और उस बुलाहट की पुष्टि परमेश्वर द्वारा हमारे माध्यम से जीवन में हमारे बुलावे से संबंधित हर चीज.को पूर्ण करने के अपने वादे को पूरा करके की जाती है।

19 वर्ष की आयु में, जब मै अपनी मास्टर्स की पढाई कर रहा था, परमेश्वर ने मुझे मेरे पिता के स्थान पर प्रचार करने के लिए बुलाया। उस समय मेरे पास कोई सक्रिय प्रतिभा नहीं थी; मेरे माता-पिता के प्रति आज्ञाकारिता के अलावा कोई अनुभव नहीं था, जिन्होंने मुझे उनकी ओर से प्रचार करने के लिए भेजा था। प्रचार करने के लिए एक खुले मैदान में लगभग 15,000 लोगों के सामने, जैसे ही मै ऊपर गया, बारिश शुरू हो गई। बीमारों और जरूरतमंदों के प्रति करुणा के साथ, मैंने जोर से प्रार्थना की, 'हे प्रभु, बारिश रोक दो। ये लोग बिना मुक्ति, चंगे और रूपांतरित हुए वापस न लौटें।' यह प्रार्थना तुरंत रुक गई। उस रात, चमत्कार होने लगे। तब से, आत्मा के वरदान मुझमें कार्य करने लगे। बारह साल बाद, उस सभा में शामिल हुए एक पूर्व शराबी ने गवाही दी कि वह नशे में आया था, मेरे ब्लेजर के किनारे को छुआ, बेहोश हो गया, और जब उठा तो नशे की लत से मुक्त होकर रूपांतरित हो गया और अब मसीह का प्रचार कर रहा है। बाधाओं के बावजूद, उस गवाही ने मुझे याद दिलाया: परमेश्वर का बुलावा अटल है। वह उस बुलावे का सम्मान करना कभी नहीं भूलता जो उसने आपको दिया है। मैंने कहा, 'हे प्रभु, मै आपके बुलाहट पर अटल रहूँगा।' यीशु विश्वासयोग्य है। उन्होंने आपको जो बुलावा दिया है, उसे स्वीकार करते रहें और वह आपके माध्यम से हर तरह से चमत्कार करेंगे ताकि जिन लोगों की सेवा करने के लिए आपको बुलाया गया है, उनकी देखभाल की जा सके।

प्रलय के भविष्यवक्ताओं से दूर रहें

तीसरा, वे यरीहो आए। एलिय्याह ने कहा, 'मैं यरीहो जा रहा हूँ।' एलीशा ने उत्तर दिया, 'मैं तुम्हारे साथ चलूँगा।' यरीहो क्या है? यहोशू 6:21 में, बाइबल कहती है कि यरीहो इस्राएलियों के लिए बंद और मुहरबंद कर दिया गया था। वे उसमें प्रवेश नहीं कर सकते थे या उस पर विजय प्राप्त नहीं कर सकते थे। क्यों? क्योंकि वहाँ प्रलय के दिन के भविष्यवक्ता थे। जब एलिय्याह और एलीशा यरीहो की ओर चल रहे थे, तो भविष्यवक्ता आए और एलीशा से बोले, 'क्या तुम जानते हो कि परमेश्वर आज तुम्हारे स्वामी को तुमसे छीन लेगा? परमेश्वर ने हमें पहले ही दिखा दिया है! आज तुम अनाथ हो जाओगे!' वे प्रलय में आनन्दित हो रहे थे। वे अपने प्रलय के दिन की भविष्यवाणियों का गुणगान कर रहे थे। ऐसा करके उन्होंने परमेश्वर के लोगों के लिए परमेश्वर की योजना और उनके जीवन के उद्देश्यों में प्रवेश करने के लिए शहरों को बंद कर दिया। उन्होंने जातियों के परमेश्वर का आशीर्वाद प्राप्त करने और बुराई पर विजय पाने से रोक दिया। वे कहते थे, 'परमेश्वर ने मुझे दिखाया है कि भूकंप आने वाला है। परमेश्वर ने मुझे दिखाया है कि विमान दुर्घटनाग्रस्त होंगे।' लेकिन अगर परमेश्वर सचमुच आपको ये चीजें.दिखाता है, तो वह आपको पुनरुत्थान या उससे मिलने वाली सीख या आने वाली बुराई पर विजय पाने के लिए उसकी आशीषें पाने के उपाय भी दिखाएगा! आपको दुश्मन के हर बुरे हमले के बाद परमेश्वर की भलाई की

परमेश्वर द्वारा आपको दी गई बुलाहट को स्वीकार करते रहें और वह आपको दुगुना आशीर्वाद देंगे

भविष्यवाणी करने के लिए बुलाया गया है। इसलिए हमें सच्चे भविष्यवक्ताओं की जरूरत है। ऐसे भविष्यवक्ताओं की नहीं जो सिर्फ.शैतान की योजना की घोषणा करते हैं, बल्कि ऐसे भविष्यवक्ताओं की जो बताते हैं कि परमेश्वर उसके जवाब में क्या करने वाला है। कुछ लोग कहते हैं: 'भाई, जब मैंने तुम्हारे लिए प्रार्थना की, तो मैंने तुम्हारे और मेरे बीच एक दुष्टात्मा को खडा देखा।' लेकिन परमेश्वर के एक सच्चे सेवक को यीशु के नाम पर उस दुष्टात्मा को निकालने के लिए बुलाया गया है।

सिर्फ.उसे देखकर डरने की बात करने के लिए नहीं। यह कहने के लिए नहीं कि, 'किसी ने जादू-टोना किया है,' या 'तुमने पाप किया है, और परमेश्वर क्रोधित है।' अगर यह एक सच्ची भविष्यवाणी है, तो उन्हें सही पाप बताएँ, और पश्चाताप के बाद परमेश्वर की कृपा और भलाई का भी बखान करें। सिर्फ. प्रलय की भविष्यवाणियाँ! ये परमेश्वर की नहीं हैं।

यरीहो इन झूठे भविष्यवक्ताओं के कारण बंद कर दिया गया था जो परिवारों, आशीषों और राष्ट्रों के विनाश में आनंद लेते हैं। एक बार, एक आदमी मेरे पिता, भाई दिनाकरन के पास आया और बोला: 'आप बहुत ऊपर उठ रहे हैं। परमेश्वर ने मुझे दिखा दिया है कि आप गिरेंगे। सावधान रहें।' मेरे पिता ने जवाब दिया: 'भाई, मै तो पहले ही जमीन पर गिर चुका हूँ। मै और कहाँ गिर सकता हूँ? मुझे पहले ही पीटा जा चुका है, मुझ पर थूका जा चुका है, लात मारी जा चुकी है। लेकिन मेरे इतने जख़्मों के बावजूद, परमेश्वर की कृपा अभी भी मेरा उपयोग कर रही है।' प्रलय के भविष्यवक्ताओं की कभी न सुनें। उनसे कभी निराश न हों। उनमें से कभी न बनें। परमेश्वर विनाश का परमेश्वर नहीं, बल्कि दया का परमेश्वर है। लेकिन एलीशा ने क्या कहा? 'मै पहले से ही जानता हूँ। मै जानता हूँ कि तुम क्या कहने वाले हो।' दुष्टात्माओं को निकालने से पहले, आपको पहले इन प्रलय के भविष्यवक्ताओं को अपने जीवन से निकालना होगा, क्योंकि वे शैतान की ओर से भविष्यवाणी करते है। हमें यीशु की भविष्यवाणी करने केलिए बुलाया गया है। 'यीशु की गवाही भविष्यवाणी की आत्मा है' (प्रकाशितवाक्य 19:10)। शैतान की गवाही नही। शैतान की योजनाएँ नही, बल्कि परमेश्वर का हृदय। परमेश्वर हमें यह अनुग्रह प्रदान करे। यह दोहरे भाग का मार्ग था।

अंत तक दृढ.रहें

अंततः, एलिय्याह ने कहा, 'मैं यरदन जा रहा हूँ' और यरदन में, एलिय्याह ने अपना लबादा लिया और पानी पर दांव लगाया और पानी खुल गया, और वे पार हो गए। जैसे ही एलिय्याह एलीशा के साथ नदी पार कर रहा था, अग्नि के रथ आए और उन दोनों को चीर डाला। फिर एक बवंडर आया और एलिय्याह को स्वर्ग ले गया। लेकिन अग्नि के रथ कहाँ गए? उन्होंने एलीशा को घेर लिया। एलीशा जीवन भर अग्नि के रथों से घिरा रहा। यह दोहरा भाग है। कई बार हम सोचते हैं कि एलिय्याह अग्नि के रथों पर सवार होकर स्वर्ग गया था, लेकिन वास्तव में यह एक बवंडर था। यही आप दूसरे राजा 6:17 में पढते हैं। जब सीरिया के राजा, अराम के राजा ने एलीशा को गिरफ्तार करने के लिए सेनाएँ भेजीं, तो उसने कहा, 'हे प्रभु, मेरे सेवक की आँखें खोल दो' और जब दोतान में उसकी आँखें खुलीं, तो उसने एलीशा के चारों ओर अग्नि के रथ देखे। इसने पूरे पहाड. को घेर लिया, लेकिन यह एलीशा के चारों ओर था। उसके चारों ओर अग्नि के रथ थे। जब तुम यरदन नदी पार करोगे, तो अग्नि के रथ तुम्हें घेर लेंगे। कोई भी दुष्ट राजा, दुष्ट सरकार या दुष्ट लोग तुम्हें पराजित नहीं कर सकते। एलीशा का परमेश्वर उनकी आँखें मूंद लेगा, लेकिन तुम उन्हें पवित्रता के स्थान तक ले जाओगे। यही वह अनुग्रह है जो परमेश्वर तुम्हें दे रहा है। यह दुगुना भाग है। अगर तुम एलिय्याह के जीवन को पढो, तो पाओगे कि उसने कभी किसी चीज.के लिए प्रार्थना नहीं की। उसने बस कहा कि चीजें.अस्तित्व में आ जाएँगी क्योंकि वह परमेश्वर के बहुत करीब था, अभिषिक्त था और उससे जुडा हुआ था।परमेश्वर। उसके विरुद्ध बनाया गया कोई भी हथियार सफल नहीं हो सका। उसने राजाओं का, यहाँ तक कि शत्रु देश के राजा का भी अभिषेक किया। परमेश्वर के एक भविष्यवक्ता का जीवन ऐसा ही होना चाहिए। आप भले ही कुछ भी न हों, परमेश्वर कहते हैं कि राजा आपको अपना पिता मानेंगे। उन्हें मार्गदर्शन करने और उन्हें आगे बढाने के लिए एक पिता की आवश्यकता होती है। आप स्त्री हों या पुरुष, आप राजाओं, राष्ट्रे लोगों और भाषाओं का मार्गदर्शन करने और परमेश्वर के राज्य का सूत्रपात करने के लिए प्रतिनिधि हो सकते हैं। आज, आप पर दुगुना भाग आ रहा है। वृद्धि होगी। संसार की हर चीज.आएगी। लेकिन इसके साथ ही, परमेश्वर की आत्मा का दुगुना भाग आप पर आएगा। अग्नि के रथ आपको घेरे रहेंगे। परमेश्वर आपको हर वह अनुग्रह प्रदान करे जिसका उसने वादा किया है।

बेतहसदा में परमेश्वर की चमत्कारी शक्ति

13 जुलाई 2025 को डॉ. डी.जी.एस. दिनाकरन केंद्र, कारुण्या नगर, कोयंबटूर में आयोजित की गई बेतहसदा विशेष आशीष सभा, जहाँ 7,500 लोगों की भीड़ परमेश्वर की चमत्कारी शक्ति का अनुभव करने के लिए उत्सुकता से एकत्रित हुई। स्टेल्ला रमोला और डैनियल डेविडसन ने स्तुति और आराधना का नेतृत्व किया, जिससे लोगों को परमेश्वर की उपस्थिति पर अपना ध्यान केंद्रित करने और आराधना में अपनी आवाज़ बुलंद करते हुए उद्धार प्राप्त करने में मदद मिली। भजन संहिता 116 पर आधारित डॉ पॉल दिनाकरन का नया गीत, 'कार्थराय स्थौथारी', बहन स्टेल्ला दिनाकरन द्वारा प्रार्थनापूर्वक समर्पित किया गया और डॉ पॉल दिनाकरन द्वारा अपने यूट्यूब चैनल पॉल दिनाकरन पर लोगों को सुनने और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए जारी किया गया।

डॉ पॉल दिनाकरन ने जकर्याह 9:12, योएल 2:25-27, और अय्यूब 42:10 का हवाला देते हुए, दुगनी आशीषें प्राप्त करने पर एक भविष्यसूचक वचन दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जो लोग हमारा विरोध करते है उन्हें क्षमा करना और उनके लिए प्रार्थना करना हमें दोगुनी आशीषें प्रदान करेगा। उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए कई लोगों के नाम पुकारे और उनके जीवन पर परमेश्वर की आशीषों की घोषणा की।

यहाँ उन लोगों की दो गवाही दी गई है जिनके नाम पुकारे गए:

- बहन लता, जो पारिवारिक समस्याओं से जूझ रही थीं, उसने परमेश्वर की शांति का अनुभव किया और उसकी उपस्थिति से भर गई।
- बहन सूर्या, जिन्होंने जीवन में सब कुछ खो दिया था, उसने पुनर्स्थापना का एक भविष्यसूचक वचन प्राप्त किया। उसने गवाही दी कि कैसे परमेश्वर का वचन उनकी परिस्थिति में ठीक उनके पास पहुँचा और उन्हें आशा प्रदान की।

बहन इवेंजेलिन पॉल दिनाकरन ने चंगाई, पारिवारिक पुनर्स्थापना और लोगों के पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होने के लिए सच्चे मन से प्रार्थना की। जिन लोगों ने दिनाकरन से प्रार्थना का अनुरोध किया, उनके लिए व्यक्तिगत रूप से प्रार्थना की गई।

लोग परमेश्वर की पुनर्स्थापना और अपने जीवन में दोहरी आशीषों का स्वागत करने के लिए तैयार होकर सभा से बाहर निकले, साथ ही उन्हें परमेश्वर की महिमा के लिए अपनी गवाहियाँ साझा करने का अधिकार भी प्राप्त हुआ।

रोजगार आशीष योजना से जुडें

''मै तुझे देश के ऊंचे स्थानों पर चलने दूंगा...''
(यशायाह 58:14)

रोजगार आशीष योजना, अपने सहभागियों को उनकी नौकरी के संबंध में आशीर्वाद देने और उनकी मनचाही इच्छाओं को पूरा करने का पाँचवाँ वर्ष पूरा कर रही है। यीशु बुलाता है रोजगार आशीष योजना, एक ईश्वरीय प्रेरणा से प्रेरित पहल है, जिसकी शुरुआत विशेष रूप से उन लोगों के लिए प्रार्थना और मध्यस्थता करने के उद्देश्य से की गई थी जो अच्छी नौकरी, पदोन्नति, उचित वेतन, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता, कर्ज़ मुक्ति, कार्यस्थल पर अनुग्रह और शांति, ईर्ष्या से सुरक्षा, या अनुकूल नौकरी स्थानांतरण की तलाश में है। हमने अद्भुत चमत्कार प्राप्त करने वाले लोगों की कई गवाही सुनी है!

JOB BLESSING plan

एक बैक में प्रबंधक के रूप में पदोन्नति

मैं यीशु बुलाता है सेवकाई की एक युवा सहभागी और रोजगार आशीष योजना सहभागी हूँ, और अपने परिवार में एकमात्र उद्धार पाई हुई व्यक्ति हूँ। 13 साल काम करने के बाद, मैं एक कंपनी में ठेकेदार के रूप में कार्यरत थी। अचानक, मुझे बताया गया कि यह योजना 30 नवंबर, 2022 को समाप्त हो जाएगी। मुझे कई चुनौतियों का सामना करना पडा और मैंने डॉ पॉल दिनाकरन को प्रार्थना के लिए पत्र लिखा। उन्होंने उत्तर दिया कि मुझे एक स्थायी नौकरी मिल जाएगी। दो दिनों के भीतर, मेरा अनुबंध बढा दिया गया। इसके तुरंत बाद, मुझे एक्सिस बैंक में एक स्थायी प्रबंधक पद की पेशकश की गई, जहाँ मुझे पहले कभी शर्मिंदगी का सामना करना पडा था। परमेश्वर ने मेरे दुःख को खुशी में बदल दिया। मैं इस चमत्कार के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करती हूँ और डॉ पॉल दिनाकरन को उनकी प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद देती हूँ।

– **प्रियदर्शिनी**, मराठली

बहन प्रियदर्शिनी की तरह, आप भी इस योजना में नामांकन करके समृद्ध होंगे। जब आप उसके राज्य कार्य का समर्थन करेंगे, तो परमेश्वर आपके जीवन में अपना राज्य और अपनी इच्छा स्थापित करेंगे, ठीक वैसे ही जैसे स्वर्ग में होती है।

इस योजना की मुख्य विशेषताएँ है:

- डॉ पॉल दिनाकरन और उनके परिवार द्वारा सभी रोजगार आशीष योजना सहभागियों के लिए प्रार्थना और साथ ही उन लोगों के लिए परमेश्वर का प्रकाशन जो अपनी नौकरी के लिए उसकी इच्छा की तलाश कर रहे हैं।
- टेलीफोन प्रार्थना भवन और बेतहसदा प्रार्थना भवन में आयोजित श्रृंखलाबद्ध प्रार्थनाओं में सभी रोजगार आशीष योजना सहभागियों के लिए निरंतर प्रार्थनाएँ।
- सहभागी सभा के लिए विशेष निमंत्रण और दिनाकरन परिवार की प्रार्थनाओं को व्यक्तिगत रूप से प्राप्त करने का अवसर।
- नौकरी चाहने वालों के लिए प्रार्थना भवन में आयोजित 'कैरियर प्लानिंग' जैसे विशेष कार्यक्रम।

अभी नामांकन करें और अपनी नौकरी में अपार सफलता का अनुभव करें।

मै रोजगार आशीष योजना का हिस्सा बनना चाहता/चाहती हूँ और दान देना चाहता/चाहती हूँ:

- **मै हर महीने रु 100/- या उससे अधिक दान देना चाहता/चाहती हूँ।**
- **प्रति माह एक दिन का वेतन**
- **अपनी पहली नौकरी से पहले महीने का वेतन**
- **हर महीने वेतन का 10% या ----------------------------%**

किसी भी प्रश्न के लिए पार्टनर केयर पर कॉल करें: 044- 23456677 (सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक)

दान देने की विधियों के बारे में जानने के लिए, कृपया पृष्ठ 11 देखें।

SCAN TO DONATE

पारिवारिक भाग

निवासस्थान की उपस्थिति

प्रिय मित्र, यहेजकेल 37:27 में हमें क्या ही अद्भुत प्रतिज्ञा मिलती है! परमेश्वर स्वयं कहते हैं, 'मेरे निवास का तम्बू उनके ऊपर तना रहेगा; और मैं उनका परमेश्वर हूंगा, और वे मेरी प्रजा होंगे।' एक अन्य अनुवाद कहता है, 'मैं उनके बीच अपना निवास बनाऊँगा।' यह वचन केवल परमेश्वर की उपस्थिति को ही व्यक्त नहीं करता। यह हमारे साथ और हमारे परिवारों में निवास करने की उनकी गहरी इच्छा को भी प्रकट करता है। यह कितना गौरवशाली है कि सर्वशक्तिमान हमारे घरों को अपना निवास स्थान बनाना चाहते हैं!

हमारे बीच निवास करने की परमेश्वर की इच्छा

शुरूसे ही, परमेश्वर का हृदय अपने लोगों के बीच निवास करने का रहा है। पुराने नियम में, उनकी उपस्थिति निवासस्थान में थी, एक पवित्र स्थान जहाँ इस्राएली परमेश्वर से मिलते थे। वहाँ, वह उनके साथ चलता था, उनका मार्गदर्शन करता था, और उनकी रक्षा करता था। उनकी उपस्थिति उनकी सबसे बडी शक्ति थी।

आज, हमें इससे भी बडी चीज.का आशीर्वाद मिला है। बाइबल 1 कुरिन्थियों 6:19 में कहती है, ' क्या तुम नहीं जानते, कि तुम्हारी देह पवित्रात्मा का मन्दिर है; जो तुम में बसा हुआ है और तुम्हें परमेश्वर की ओर से मिला है, और तुम अपने नहीं हो?' अब हमें किसी भौतिक निवासस्थान की आवश्यकता नहीं है। परमेश्वर अब हमारे भीतर हमारे हृदयों और घरों में निवास करना चाहता है।

जब हम उसे अपने जीवन और अपने परिवारों में स्वागत करते हैं, तो वह हमें अपनी शांति, एकता और उद्देश्य से भर देता है। उसकी उपस्थिति हमारे रिश्तों को बदल देती है, भ्रम को दूर करती है, और टूटेपन को फिर से भर देती है। हमारे बीच जीवित परमेश्वर का स्वागत करना हमारे लिए कितने सौभाग्य की बात है।

पवित्रता और एकता का बुलाहट

क्योंकि परमेश्वर हम में वास करता है, इसलिए हमें पवित्र जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए। संसार अक्सर हमें 'खुद पर विश्वास' करने के लिए प्रोत्साहित करता है, लेकिन परमेश्वर की संतान होने के नाते, हम जानते हैं कि हम उसके हैं। हमारी शक्ति स्वयं में नहीं, बल्कि उसमें है जो हमारे भीतर रहता है।

हबक्कूक 1:13 हमें याद दिलाता है, 'तेरी आंखें ऐसी शुद्ध हैं कि तू बुराई को देख ही नहीं सकता। यदि परमेश्वर इतना पवित्र है कि वह पाप को देख भी नहीं सकता, तो हमें और कितना अधिक शुद्ध और पवित्र जीवन जीना चाहिए, खासकर उसके नाम से पुकारे जाने वाले परिवारों के रूप में?

जब हम अपने परिवारों को परमेश्वर को समर्पित करते हैं, तो हम उसके आशीर्वाद के द्वार खोलते हैं। हमें अपने घरों की रक्षा ऐसी किसी भी चीज.से करनी चाहिए जो पवित्र आत्मा को दुःख पहुँचाती है और इसके बजाय ऐसा वातावरण बनाना चाहिए जहाँ प्रार्थना, आराधना और प्रेम के माध्यम से परमेश्वर का स्वागत हो।

मसीह के शरीर से जुडे.रहें

आज की दुनिया में, जहाँ अधर्मी प्रभाव हमारे चारों ओर हैं, हमें ईश्वरीय संगति की आवश्यकता है। यही कारण है कि प्रार्थना समूह और प्रार्थना भवन जैसी सेवकाई इतनी महत्वपूर्ण हैं।

EvangelinePaulDhinakaran | evangeline@jesuscalls.org

जब हम अपने आप को विश्वासियों से घेर लेते हैं, तो हम अपने आध्यात्मिक स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं और विश्वास में मजबूत होते हैं।

> **जब हम अपने परिवारों को परमेश्वर को समर्पित करते है, तो हम उसके आशीर्वाद के द्वार खोलते है**

हमारे परिवार में, हमने इस आशीर्वाद का प्रत्यक्ष अनुभव किया है। मेरे पति, डॉ पॉल दिनाकरन, हमारे पूरे परिवार को परमेश्वर के कार्य में जडे.रखने के लिए बहुत सजग हैं। चाहे वह प्रार्थना के माध्यम से हो, सेवकाई में भागीदारी के माध्यम से हो, या केवल परमेश्वर के वचन में समय बिताने के माध्यम से हो, हमारा घर एकजुट और मजबूत रहता है क्योंकि परमेश्वर हम में वास करता है। हाँ, हमें किसी भी अन्य परिवार की तरह गलतफहमियों का सामना करना पड्ता है। लेकिन जब हम प्रार्थना में एक साथ आते हैं, तो पवित्र आत्मा चंगाई और शांति प्रदान करता है। प्रभु उन परिवारों से प्रसन्न होते हैं जो उसका सम्मान करते हैं, और वह उन्हें स्थायी एकता और आनंद का आशीर्वाद देते हैं।

वाचा के सन्दूक के बारे में सोचें। यह पुराने नियम में परमेश्वर की उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करता था। जब इस्राएलियों ने इसका सम्मान किया, तो वे विजयी और धन्य हुए। लेकिन जब उन्होंने इसकी उपेक्षा की या लापरवाही बरती, तो उन्हें हार का सामना करना पडा।

आज, हमारे हृदय और हमारे घर उस सन्दूक की तरह हैं। जब हम परमेश्वर की उपस्थिति का आदर करते हैं और उसके लिए जगह बनाते हैं, तो वे अनुग्रह और आशीर्वाद प्रदान करते हैं। लेकिन जब हम उसकी उपेक्षा करते हैं या समझौता करने देते हैं, तो हम उसका आवरण खो देते हैं।

मैं चेन्नई की एक प्रिय बहन वसंता की गवाही साझा करना चाहूँगी, जिसने परमेश्वर की उपस्थिति की परिवर्तनकारी शक्ति का अनुभव किया। वर्षों तक, उनके घर में कलह का माहौल रहा क्योंकि उनके पति शराब की लत से जूझ रहे थे। उनकी बेटी को पाँच साल तक कोई संतान नहीं हुई। एक दिन, वह प्रार्थना भवन गई, अपने परिवार को परमेश्वर को समर्पित किया, और नियमित प्रार्थना और भक्ति का जीवन शुरू किया। जैसे ही उन्होंने परमेश्वर को अपने घर में स्वागत किया, चीजें बदलने लगीं। उसके पति का पूर्ण उद्धार हुआ। उसकी बेटी को एक पुत्र की प्राप्ति हुई और उनके घर में शांति छा गई। उसने दूसरों के लिए प्रार्थना करना शुरू किया और अब वह कई लोगों के लिए एक आशीर्वाद है। अंतर सरल था: उसने परमेश्वर की खोज करके अपने परिवार को उसका निवास स्थान बनाया और परमेश्वर ने उस प्रतिबद्धता का सम्मान किया।

तैयार और तत्पर रहें

प्रिय मित्र, यीशु जल्द ही आ रहे हैं। प्रकाशितवाक्य 22:12 कहता है, 'देखो, मैं शीघ्र ही आ रहा हूँ! मेरा प्रतिफल मेरे पास है।' आइए हम व्यक्तिगत रूप से और परिवार के रूप में तैयार रहें।

अपना जीवन, अपना घर, अपना समय और अपने संसाधन प्रभु को समर्पित करें। प्रतिदिन उसकी उपस्थिति को आमंत्रित करें। अपने घर को एक पवित्र निवास स्थान बनाएँ जहाँ वह स्वागत और प्रसन्नता महसूस करें। परमेश्वर आपके परिवार को अपनी शांति, एकता, सुरक्षा और प्रावधान से आशीषित करना चाहता है। क्या आप आज ही अपना हृदय और घर उसके लिए खोलेंगे?

आइए हम और अधिक पवित्र, अधिक प्रेमपूर्ण और राजा के आगमन के लिए और अधिक तैयार रहें।

लाखों लोगों के आँसू पोंछने के लिए यीशु बुलाता है
सेवकाई का समर्थन करने के तरीके

ONLINE TRANSFER:

IndusInd Bank
Beneficiary Name: **JESUS CALLS**
Account No.: **555444333222111**
Bank: **IndusInd Bank, Rajaji Salai Branch, Chennai - 600001.** IFS Code: **INDB0000167**

ICICI Bank
Beneficiary Name: **JESUS CALLS**
Account No.: **000901056144**
Bank: **ICICI Bank Ltd., Nungambakkam Branch, Chennai 600 034.**
IFS Code: **ICIC0000009**

BANK TRANSFER DETAILS CAN BE INTIMATED: partnercare@jesuscalls.org

SCAN AND SUPPORT US THROUGH ALL UPI APPS

SCAN TO PAY

UPI ID ***jesuscalls@indus***

THROUGH ***website visit www.jesuscalls.org*** / **THROUGH Electronic Money Order** (EMO) / **Demand Draft / Cheque** (CTS Cheque) drawn in favour of **"JESUS CALLS"** can be sent by Registered Post to the address: **Prayer Tower, 16, Dr. D.G.S. Dhinakaran Road, Chennai - 600 028. IN PERSON: AT THE PRAYER TOWER IN YOUR AREA**

When you send your donations through Bank transfer or Bank apps, please share your donation detail immediately to us through SMS or Whatsapp to 98409 99923. This will help us to pray for you and also acknowledge your donation.

पुणे प्रार्थना उत्सव

आइए, पुणे के 75 लाख लोगों तक परमेश्वर का प्रेम पहुँचाएँ

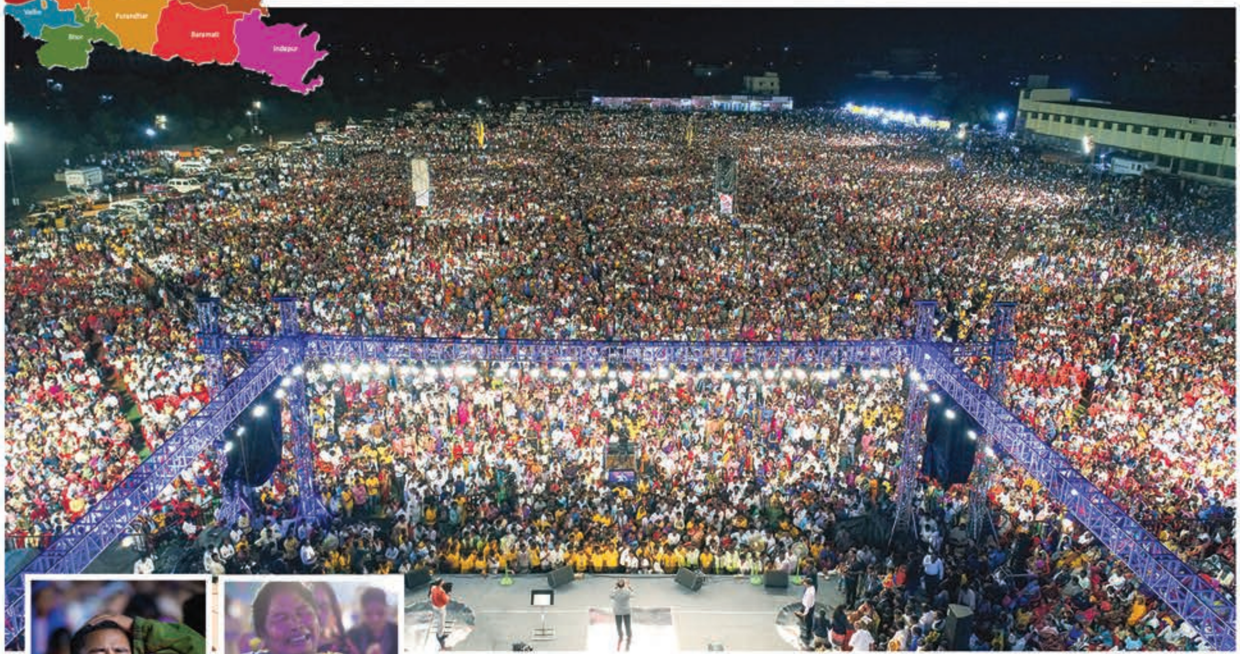

महाराष्ट्र का पुणे शहर शिक्षा, उद्योग और आईटी का एक प्रमुख केंद्र होने के साथ-साथ मौन पीड़ा का भी केंद्र है। 75 लाख से ज्यादा लोगों का घर, जिसमें एक बड़ी युवा आबादी पहचान के संकट, नशे की लत, चिंता और टूटे रिश्तों से जूझ रही है, पुणे को यीशु की जरूरत है।

पुणे के लोगों की दैनिक प्रार्थनाएँ उनके हृदय की पुकार को दर्शाती हैं। लोगों के वर्तमान संघर्ष इस प्रकार हैं:

✻ हजारों आईटी और औद्योगिक कर्मचारी दबाव, अकेलेपन और अवसाद में जी रहे हैं।

✻ परिवार बढ़ती तलाक दरारों, भावनात्मक अलगाव और बीमारी से जूझ रहे हैं।

✻ कई लोग पारंपरिक मान्यताओं से बंधे हैं और उन्होंने यीशु मसीह के जीवन-परिवर्तनकारी संदेश को कभी नहीं सुना है।

✻ इसलिए पुणे प्रार्थना उत्सव सिर्फ.एक आयोजन नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में नई सफलताएँ लाने का एक दिव्य अवसर है।

पुणे में प्रार्थना उत्सव क्यों?

✻ उन हजारों लोगों तक यीशु मसीह की चंगाई की शक्ति पहुँचाने के लिए जो मौन पीड़ा झेल रहे हैं।

✻ वंचित युवाओं और परिवारों तक आशा, शांति और उद्धार पहुँचाना।

✻ एकजुट प्रार्थना के माध्यम से इस क्षेत्र के आध्यात्मिक बंधनों को तोड़ना।

✻ इस बढ़ते महानगर में मध्यस्थों और आत्मा-विजेताओं को उभारना।

यहाँ एक संक्षिप्त गवाही दी गई है जो बताती है कि प्रार्थना उत्सव कैसे जीवन रूपांतरित कर रहे हैं:

पूर्ण उद्धार

मैं एक निजी कंपनी में प्रबंधक के रूप में कार्यरत था और अपने काम के प्रति ईमानदार था। अचानक मुझे तेज.बुखार हो गया जो कई उपचारों के बावजूद कम नहीं हुआ और पूरे एक महीने तक रहा। मैं मुश्किल से चल पा रहा था और अंततः, मुझे एक प्रतिष्ठित अस्पताल में रेफर किया गया, जहाँ मुझे स्टेज 4 लिम्फोमा कैंसर का पता चला। डॉक्टरों ने मुझसे साफ.कहा, 'तुम्हारे पास जीने के लिए केवल 15 दिन हैं। बस जो समय बचा है उसका आनंद लो।'

उनके शब्दों ने मुझे तोड.दिया। मैं फूट-फूट कर रोया और उनसे अपने छोटे बच्चों की खातिर इलाज करने की विनती की। वे मान गए लेकिन चेतावनी दी, 'तुम्हें कीमोथेरेपी के 8 राउंड की जरूरत है, लेकिन तुम दो भी नहीं बच पाओगे।' दूसरी कीमोथेरेपी के बाद, मैं अस्पताल के कमरे में अकेला लेटा हुआ, प्रभु से दया की दुहाई दे रहा था। सोते हुए, मैंने अचानक एक आवाज.सुनी, 'मेरे बेटे, यह कैंसर तुम्हें नहीं मारेगा, बल्कि मेरे नाम की महिमा करेगा। तुम मेरी सेवा करोगे।'

उसकी आवाज.से बल पाकर, मैंने कीमोथेरेपी के सभी आठ दौर पूरे किए और पूरी तरह ठीक हो गया। डॉक्टर मेरी रिकवरी देखकर हैरान रह गए। जैसे ही मुझे छुट्टी मिली, मैंने अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया और अपने घर में सिर्फ.पाँच लोगों के साथ एक छोटा सा चर्च शुरूकिया। मैं हर दिन अहमदनगर शहर में अपनी गवाही देता था।

लेकिन मुझे एक बार फिर तेज.बुखार और सर्दी ने जकड.लिया। मैं बुरी तरह डर गया था। तभी मैंने अहमदनगर में हो रहे यीशु बुलाता है प्रार्थना महोत्सव के बारे में सुना। मैं उस सभा में गया, डॉ पॉल दिनाकरन ने भविष्यवाणी की, 'विश्वास, परमेश्वर ने अभी तुम्हें छुआ है। उसकी बुद्धि तुम पर उतर रही है। अंधकार, मृत्यु और भय की आत्मा जा रही है। तुम परमेश्वर के सेवक बनोगे और समृद्ध भी बनोगे।'

उस क्षण, बुखार और मेरे सारा डर गायब हो गया। मैंने नई ऊर्जा के साथ अपनी सेवा फिर से शुरूकर दी। आज, मैं 750 से ज्यादा लोगों वाले एक चर्च का पादरी हूँ। यीशु की शक्ति से कई कैंसर रोगी ठीक हो चुके हैं। भविष्यवाणी सच हुई। मेरे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की जय हो!

– **घोडके विश्वास,** अहमदनगर

उपरोक्त गवाही की तरह, यीशु बुलाता है प्रार्थना उत्सवों के माध्यम से हजारों लोगों ने अपने जीवन में चमत्कार प्राप्त किए हैं।

75 लाख लोगों तक परमेश्वर का प्रेम पहुँचाएँ

आइए, पुणे के उन लाखों लोगों तक पहुँचें और उन्हें आशीर्वाद दें जिन्होंने अभी तक यीशु के प्रेम का अनुभव नहीं किया है। जैसे-जैसे आप इस प्रार्थना महोत्सव में लोगों के आँसू पोंछने के लिए दान देंगे और हमारे साथ सहभागी होंगे, जिन आत्माओं तक पहुँचेंगे उनके नाम आपके खाते में लिखे जाएँगे, और प्रभु आप पर अपना प्रतिफल प्रचुर मात्रा में उंडेलेंगे।

- **एक आत्मा तक पहुँचने और उसे आशीर्वाद देने में हमारी मदद करने के लिए, आप रु 1,000 का दान दे सकते हैं।**
- **100 आत्माओं तक पहुँचने और उन्हें आशीर्वाद देने में हमारी मदद करने के लिए, आप रु 1,00,000 का दान दे सकते हैं।**
- **1,000 आत्माओं तक पहुँचने और उन्हें आशीर्वाद देने में हमारी मदद करने के लिए, आप रु 10,00,000 का दान दे सकते हैं।**

> आपके द्वारा किया गया प्रत्येक दान पुणे के लोगों तक सुसमाचार पहुँचाने और परमेश्वर के प्रेम से जीवन बदलने में प्रत्यक्ष रूप से सहायक होता है

आपके बलिदान का उपयोग इन सभाओं में लगने वाले करोडों के खर्च को पूरा करने और एक प्रार्थना भवन सेवकाई की स्थापना में किया जाएगा जो इन आत्माओं के लिए प्रार्थना करता रहेगा और उन्हें ऐसे मध्यस्थ बनने के लिए प्रशिक्षित करेगा जो जरूरतमंदों के लिए प्रार्थना करते हैं। इसमें कई प्रकार के खर्च होते हैं जैसे मंच की व्यवस्था, ध्वनि और प्रकाश व्यवस्था; पंडाल; बैठने की व्यवस्था; प्रचार; लाइव प्रसारण और वेबकास्टिंग; तकनीकी उपकरण और इंटरनेट सुविधाएँ; साथ ही सेवकाई की टीमों और स्वयंसेवकों के लिए परिवहन, भोजन और आवास। आपका सहयोग प्रार्थना भवन मिशन को आगे बढाने में भी मदद करेगा, जिसमें 300 प्रार्थना मध्यस्थों और राजदूतों को तैयार करना और प्रशिक्षित करना शामिल है।

हम आप जैसे विश्वासियों को प्रार्थना और उदारतापूर्वक दान देने में हमारे साथ खडे.होने और इन जीवन-परिवर्तनकारी आयोजनों को संभव बनाने में हमारी मदद करने के लिए आमंत्रित करते हैं।
जैसा कि यीशु ने मत्ती 9:37 में कहा है; 'कटनी बहुत है, परन्तु मजदूर थोडे.हैं।'
क्या आप इस अत्यावश्यक कटाई के खेत में मजदूर भेजने में सहभागी होंगे?
पुणे प्रार्थना महोत्सव में दान देने के लिए QR कोड स्कैन करें

अपने दिल की गहराई से, मैं बोलता हूँ...

सेवकाई में मेरे अनमोल सहभागी,

धन्यवाद से भरे हृदय से, मैं यीशु बुलाता है सेवकाई के माध्यम से प्रभु की सेवा में हमारी दिव्य साझेदारी पर आनन्दित हूँ। आपका विश्वासयोग्य समर्थन आपके धार्मिक हृदय का एक ज्वलंत गवाह है, और जैसा कि यशायाह 3:10 में पवित्रशास्त्र घोषित करता है,

'धर्मियों से कहो कि उनका भला होगा, क्योंकि उसके कामों का फल उसको मिलेगा।'

आप निश्चित रूप से अपने निस्वार्थ कार्यों और अटूट विश्वास की भरपूर फसल काटेंगे।

आपका दान, प्रार्थना और इस सेवकाई के साथ खडे. रहना किसी का ध्यान नहीं गया है। ये मसीह के हृदय की धडकन की प्रतिध्वनि हैं, जो आशा, चंगाई और उद्धार के साथ असंख्य लोगों तक पहुँचते हैं। आपकी धार्मिकता का भरपूर प्रतिफल मिलेगा।

पिछले महीने की शानदार सेवकाई की झलकियाँ संलग्न हैं जो इस बात का प्रमाण हैं कि प्रभु आपकी धार्मिक साझेदारी के माध्यम से क्या कर रहे हैं।

आइए, हम सब मिलकर प्रार्थना करते रहें कि इस महीने के प्रयासों पर प्रभु का हाथ प्रबलता से बना रहे , ताकि केवल उसके नाम की महिमा हो।

स्तुति बिंदु

✻ 13 जुलाई, 2025 को डॉ. डी.जी.एस. दिनाकरन सेंटर, कारुण्या नगर में आयोजित विशेष आशीष सभा में अद्भुत चमत्कार हुए। एक परिवार के रूप में, हम प्रभु के प्रति उनके प्रेम के लिए अत्यंत आभारी हैं, जो मेरी विनम्र प्रार्थनाओं के उत्तर में एकत्रित हुए उनके लोगों पर बरसा।

प्रार्थना भवन मिनिस्ट्री के माध्यम से 42 वर्षों की निरंतर प्रार्थनाएँ

'अब मै सब से पहिले यह उपदेश देता हूं, कि बिनती, और प्रार्थना, और निवेदन, और धन्यवाद, सब मनुष्यों के लिये किए जाएं।' (1 तीमुथियुस 2:1)

पिछले 42 वर्षों से, यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन सेवकाई 27 करोड.लोगों के लिए प्रार्थना करके लोगों को यीशु की ओर मार्गदर्शन करते हुए एक प्रकाशस्तंभ की तरह खडी रही है। अटूट प्रतिबद्धता के साथ, हमारे आत्मा-निर्देशित प्रार्थना मध्यस्थों ने दिन-रात प्रार्थना में परिश्रम किया है, और उन लोगों की पुकार सुनी है जो टेलीफोन प्रार्थना भवन के माध्यम से पहुँचते हैं और देश भर में हमारे प्रार्थना भवनों में आते हैं।

हर एक प्रार्थना निवेदन अनमोल है। मैं व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक निवेदन स्वीकार करता हूँ और अपने दिन के शुरुआती घंटों को इन जरूरतों के लिए प्रभु के समक्ष निवेदन करने में समर्पित करता हूँ। परमेश्वर के लोगों के लिए खडे.होना एक पवित्र आह्वान और गहरा आनंद है। और इसका फल? यह प्रचुर है। हर दिन, हम उन गवाहियों से भर जाते हैं जो विश्वास और करुणा से की गई हार्दिक प्रार्थनाओं से प्रवाहित होने वाली चंगाई, पुनर्स्थापना, सफलता और उद्धार की कहानियाँ हैं।

यह जीवन-परिवर्तनकारी प्रभाव आपके बिना संभव नहीं होता। आपकी निष्ठापूर्ण प्रार्थनाएँ और उदार योगदान इस सेवकाई की रीढ हैं। आपकी सहभागीदारी के कारण, अनगिनत जीवन प्रार्थना की शक्ति से प्रभावित और परिवर्तित हो रहे हैं। साथ मिलकर, हम मध्यस्थता की एक ऐसी विरासत का निर्माण कर रहे हैं जो अनंत काल तक गूंजती रहेगी।

रोजगार आशीष योजना

'हमारे परमेश्वर यहोवा की कृपा हम पर बनी रहे ; हमारे हाथों के काम को हमारे लिए दृढ.कर, हाँ, हमारे हाथों के काम को दृढ.कर।' (भजन संहिता 90:17)

रोजगार आशीष योजना 17 अगस्त, 2025 को अपना पाँचवाँ वर्ष पूरा करेगी। यह योजना अनगिनत व्यक्तियों के लिए आशा लेकर आई है और उन्हें उनके पेशेवर सफर में सफलता की ओर ले गई है। इस दिव्य पहल के माध्यम से, कई लोगों को, नए रोजग़ार के अवसर, लंबे समय से प्रतीक्षित पदोन्नति, अनुकूल स्थानांतरण और अपने कार्यस्थलों में न्याय चमत्कारी सफलताएँ मिली हैं।

इस योजना में नामांकन करके, जीवन बदल गए हैं, करियर में उन्नति हुई है और परिवारों को आशीर्वाद मिला है। हम आपको अपने प्रियजनों को रोजगार आशीष योजना से परिचित कराने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। वह माध्यम बनें जिसके माध्यम से उनके सपने उडान भर सकें और उनकी परमेश्वर प्रदत्त क्षमता पूर्ण हो सके। आइए, हम सब मिलकर ऐसे पेशेवरों की एक पीढी तैयार करें जो न केवल अपने क्षेत्र में उन्नति करें, बल्कि समाज के लिए आशीर्वाद के रूप में भी चमकें।

दम्पति एस्तेर प्रार्थना समूह

''फिर मै तुम से कहता हूं, यदि तुम में से दो जन पृथ्वी पर किसी बात के लिये जिसे वे मांगें, एक मन के हों, तो वह मेरे पिता की ओर से स्वर्ग में है उन के लिये हो जाएगी।''

(मत्ती 18:19)

अपने हृदय में एक दिव्य भार लिए, मेरी माँ बहन स्टेल्ला दिनाकरन ने 5 अगस्त, 2017 को दम्पति एस्तेर प्रार्थना समूह की शुरुआत की ताकि पति-पत्नी एकता में एक साथ प्रार्थना करने के लिए प्रोत्साहित हों। इसकी स्थापना के बाद से, दम्पति प्रभु की बुलाहट का पालन करते हुए, राष्ट्र, परिवारों और परमेश्वर के राज्य के लिए प्रार्थना करते हुए, निष्ठापूर्वक एकत्रित हुए हैं। उनकी एकजुट प्रार्थनाओं के परिणामस्वरूप, अनगिनत परिवारों और बच्चों ने दिव्य सफलताओं, पुनर्स्थापना और आशीषों को देखा है।

सहभागियों को प्रार्थना मध्यस्थों में बदलना

''प्रार्थना में समर्पित रहो, सतर्क और कृतज्ञ रहो।''

(कुलुस्सियों 4:2)

यीशु बुलाता है प्रार्थना अकादमी उन लोगों के लिए बनाई गई है जो प्रभु के साथ अपने जीवन में और सेवा करने के अपने बुलाहट में गहराई से उतरना चाहते हैं। प्रमाणित प्रशिक्षकों और मान्यता प्राप्त संकायों के साथ, ये पाठ्यक्रम एक ठोस बाइबिल आधार और व्यावहारिक सेवकाई प्रशिक्षण ऑनसाइट प्रदान करते हैं।

स्नातकों को प्रार्थना भवनों में स्वयंसेवा करने का अधिकार दिया जाता है, जिससे वे पीडित दुनिया के लिए मध्यस्थता के महत्वपूर्ण माध्यम बन सकते हैं। ऑनलाइन पाठ्यक्रम 'यीशु को जानना' अभी उपलब्ध है। नामांकन के लिए रलरवशॢ.ंिरूशीींुशीपश्रळपशे.ीस पर जाएँ। अधिक जानकारी के लिए फोन नंबर +91 63807 52257 पर संपर्क करें।

विशेष महत्व के दिन

21 अगस्त हमारे परिवार के लिए एक बेहद अनमोल दिन है क्योंकि यह उस जीवन-परिवर्तनकारी क्षण का प्रतीक है जब मेरी माँ, बहन स्टेल्ला दिनाकरन ने अपना हृदय प्रभु यीशु को समर्पित कर दिया और उसे अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। यीशु मसीह के प्रति उनकी अटूट भक्ति हमारे परिवार को प्रेरित करती रहती है और दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करती है। कृपया अपनी प्रार्थनाओं में उन्हें याद रखें क्योंकि वे प्रभु की सेवा करने के अपने आह्वान में आगे बढ.रही हैं।

यीशु बुलाता है प्रार्थना भवनों के माध्यम से 42 वर्षों में 27 करोड.लोगों के लिए प्रार्थना की गई

15 अगस्त हमारे प्रिय देश, भारत का स्वतंत्रता दिवस है। इस दिन, मैं प्रार्थना करता हूँ कि हमारी भूमि समृद्धि, दिव्य सुरक्षा और स्थायी शांति से भर जाए। भारत के लोग यीशु के परिवर्तनकारी प्रेम का अनुभव करें और जीवन की उस पूर्णता की ओर अग्रसर हों जो केवल वही दे सकता है।

प्रार्थना की आवश्यकताएँ

आगामी कार्यक्रम

1 अगस्त, 2025 – सम्पूर्ण रात चमत्कारिक प्रार्थना सभा, चेन्नई

28–30 नवंबर, 2025 – आशीष महाराष्ट्र प्रार्थना महोत्सव, पुणे

हम आगामी आशीष महाराष्ट्र प्रार्थना महोत्सव के लिए उत्सुक हैं। मैं इस विशाल सभा के लिए आपकी हार्दिक प्रार्थनाओं का निवेदन करता हूँ। यदि आपके प्रियजन पुणे के पास हैं, तो कृपया उन्हें भी इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित करें ताकि वे भी परमेश्वर की चमत्कारी चंगाई, शांति और आशा का अनुभव कर सकें।

क्या आप भी प्रार्थनापूर्वक इस कार्यक्रम का समर्थन करने पर विचार करेंगे? आपकी सहभागीदारी हमें अंधकार के स्थानों में प्रकाश और जरूरतमंद लोगों के लिए आशा लाने में मदद करती है। आपकी उदारता के माध्यम से, आप किसी के लिए एक नई शुरुआत का कारण बनते हैं।

नया गीत अपडेट

भजन संहिता 116 पर आधारित मेरा नवीनतम स्तुति गीत, जो हमारे जीवन में प्रभु की भलाई का बखान करता है, 13 जुलाई 2025 को मेरे यूट्यूब चैनल पॉल दिनाकरन पर रिलीज़ किया गया। इसे सुनते हुए, आपको परमेश्वर के अद्भुत कार्यों, उसकी कृपा जिसने आपको ऊपर उठाया, उसके प्रेम जिसने आपको सहारा दिया, और कभी न मिटने वाली उसकी भलाई जो है, उसकी याद आए। इसे अपने सभी परिचितों के साथ साझा करें, और आइए हम सब मिलकर उसके नाम की महिमा करें।

इस पत्र को समाप्त करते हुए, मैं भजन संहिता 20:4 के शक्तिशाली प्रतिज्ञा की आप पर घोषणा करता हूँ।

'वह तेरे मन की इच्छा को पूरी करे, और तेरी सारी युक्ति को सफल करे!' (भजन संहिता 20:4)

जैसे-जैसे आप प्रभु के साथ विश्वासपूर्वक चलते हैं, वह आपकी इच्छाओं को अपनी इच्छा के अनुरूप बनाए और विश्वास से उत्पन्न हर योजना को फलने-फूलने दे। हर समय, उसका हाथ आपका मार्गदर्शन करे, आपको आशीर्वाद दे, और आपके ईश्वरीय सपनों को साकार करे।

इस सेवकाई में हमारे साथ बने रहें और आनंद, शक्ति और इस विश्वास से परिपूर्ण रहें कि प्रभु में आपका परिश्रम कभी व्यर्थ नहीं जाता।

इस मिशन का एक प्रिय हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद। हम सब मिलकर अनंत काल तक बदलाव ला रहे हैं।

आपका भाई, जो आपके लिए प्रार्थना करता है,

डॉ पॉल दिनाकरन

प्रतिदिन के सुवचन

अगस्त 2025

1 **यशायाह 3:10 – धर्मी का भला होगा**
मनन: भजन संहिता 58:11; नीतिवचन 13:21; यिर्मयाह 32:39-42; मत्ती 25:46

2 **नीतिवचन 11:30 – जीवन का वृक्ष**
मनन: नीतिवचन 3:18; 13:12; 15:4; प्रकाशितवाक्य 2:7

3 **भजन संहिता 145:20 – प्रभु हमारी रक्षा करता है**
मनन: व्यवस्थाविवरण 33:12; यहोशू 24:17; 1 इतिहास 18:6,13; भजन संहिता 12:7

4 **नीतिवचन 11:25 – दो, तो दिया जाएगा**
मनन: मत्ती 10:41,42;मरकुस 4:24;लूका 6:38; 2 कुरिन्थियों 9:6-8

5 **भजन संहिता 140:13 – आप परमेश्वर के सामने निवास करेंगे**
मनन: व्यवस्थाविवरण 33:28; नीतिवचन 2:21; यशायाह 33:16; 65:9; जकर्याह 14:11

6 **नीतिवचन 4:18 – धर्मी का मार्ग**
मनन: भजन संहिता 1:6;नीतिवचन 15:19; यशायाह 26:7; होशे 14:9

7 **भजन संहिता 108:13 – परमेश्वर के द्वारा विजय**
मनन: यहोशू 17:17; 2 इतिहास 20:6; भजन संहिता 60:12; मीका 3:8

8 **नीतिवचन 1:33 – परमेश्वर की सुने**
मनन: व्यवस्थाविवरण 28:1-14; नीतिवचन 8:34; लूका 6:27; यूहन्ना 10:27

9 **भजन संहिता 97:10 – परमेश्वर अपने पवित्र जनों की रक्षा करता है**
मनन: 1 शमूएल 2:9; भजन 37:28; नीतिवचन 2:8; 1 थिस्सलुनीकियों 5:23

10 **अय्यूब 17:9 – आप बलवन्त होते जाएंगे**
मनन: निर्गमन 1:7,9; 1 शमूएल 26:25; 2 शमूएल 3:1; भजन 84:7

11 **भजन संहिता 92:10 – प्रभु आप को ऊँचा करेगा**
मनन: भजन 37:34; मत्ती 23:12; याकूब 4:10

12 **यहोशू 5:9 – प्रभु आपकी निन्दा दूर करता है**
मनन: उत्पत्ति 30:23,24; नहेम्याह 2:17,18; यशायाह 25:8; यहेजकेल 36:15

13 **भजन संहिता 33:12 – प्रभु द्वारा चुने गए लोग**
मनन: 1 इतिहास 16:11-13; यूहन्ना 15:16; 1 थिस्सलुनीकियों 1:3,4; 1 पतरस 2:4,5

14 **अय्यूब 5:10 – परमेश्वर नम्र लोगों को ऊँचा उठाता है**
मनन: भजन 138:6; नीतिवचन 3:34; मत्ती 18:2-4; लूका 14:11

15 **व्यवस्थाविवरण 32:10 – परमेश्वर अपनी आँख की पुतली के समान रक्षा करता है**
मनन: भजन 17:8,9; 121:3-8; यशायाह 49:16; जकर्याह 2:8

16 **भजन संहिता 75:10 – धर्मियों के लिए आशीर्वाद**
मनन: भजन 112:6; नीतिवचन 11:28; यशायाह 45:25; होशे 14:9

17 **लैव्यव्यवस्था 26:9 – प्रभु आप पर कृपादृष्टि रखते है**
मनन: निर्गमन 4:27-31; 1 शमूएल 1:1-11,20; भजन संहिता 14:2; यशायाह 63:15-19

18 **भजन संहिता 89:15 – आनन्द की ध्वनि**
मनन: 2 शमूएल 6:15; 2 इतिहास 20:19; भजन संहिता 105:42-45; प्रकाशितवाक्य 11:15

19 **निर्गमन 33:19 – प्रभु की दया**
मनन: निर्गमन 34:6; भजन संहिता 102:13; यशायाह 55:7; 1 पतरस 2:1-3

20 **फिलिप्पियों 2:13 – परमेश्वर की इच्छा हम में है**
मनन: इफिसियों 6:6; कुलुस्सियों 1:27; 1 थिस्सलुनीकियों 4:3; 5:18

21 **2 कुरिन्थियों 5:5 – पवित्र आत्मा एक प्रतिज्ञा के रूप में**
मनन: 2 कुरिन्थियों 1:22; इफिसियों 1:14

22 **प्रेरितों के काम 2:28 – परमेश्वर की उपस्थिति में आनंद**
मनन: व्यवस्थाविवरण 12:7,12,18; 1 शमूएल 11:15; 1 थिस्सलुनीकियों 2:19

23 **यशायाह 12:2 – परमेश्वर हमारा उद्धार है**
मनन: निर्गमन 15:2; अय्यूब 13:16; भजन संहिता 25:5; नीतिवचन 20:22

24 **प्रेरितों के काम 17:28 – मसीह में, हम जीवित है**
मनन: यूहन्ना 14:19; 2 कुरिन्थियों 13:4; गलतियों 2:20

25 **उत्पत्ति 21:22 – परमेश्वर तुम्हारे साथ है**
मनन: उत्पत्ति 26:3; यहोशू 1:5; नहेम्याह 6:12,16; यशायाह 43:2,5

26 **यूहन्ना 10:11 – मसीह अच्छा चरवाहा है**
मनन: भजन संहिता 23:1; यशायाह 40:10,11; यूहन्ना 10:14,15; इब्रानियों 13:20

27 **होशे 11:4 – प्रेम की डोरियाँ**
मनन: रोमियों 5:5,8; इफिसियों 2:4,5; 2 तीमुथियुस 1:7

28 **यूहन्ना 1:51 – स्वर्ग खुल जाएगा**
मनन: यहेजकेल 1:1; मत्ती 3:16; प्रेरितों के काम 7:55,56

29 **यशायाह 62:5 – परमेश्वर आप पर प्रसन्न होगा**
मनन: नहेम्याह 12:43; यशायाह 65:19; हबक्कूक 3:18; सपन्याह 3:17

30 **2 थिस्सलुनीकियों 3:16 – शांति का प्रभु**
मनन: गिनती 6:26; भजन संहिता 29:11; लूका 24:36; यूहन्ना 14:27

31 **यशायाह 60:18 – उद्धार और स्तुति**
मनन: भजन संहिता 42:5,11; यशायाह 60:18; यिर्मयाह 17:14; प्रेरितों के काम 2:47

इन दैनिक आशीषों को नीचे दिए गए चैनलों पर देखें क्योंकि दिनाकरन परिवार इन सच्चाइयों को समझाता है और आपके साथ प्रार्थना करता है।

Facebook:Jesus Calls page
Youtube: Subscribe to JesusCalls
Website: www.jesuscalls.org
Family Channel Mobile App
Family Channel: Online at www.familychannel.org

राष्ट्रीय प्रार्थना भवन

''तुझे बहुत से लोगों, और जातियों, और भाषाओं, और राजाओं पर, फिर भविष्यद्धवाणी करनी होगी।''(प्रकाशितवाक्य 10:11)

भारत 146 करोड.की आबादी वाला दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। दिल्ली देश की शक्ति का केंद्र होने के कारण, परमेश्वर ने यीशु बुलाता है सेवकाई को देश के लिए मध्यस्थता करने हेतु दिल्ली में संसद के सामने राष्ट्रीय प्रार्थना भवन स्थापित करने में सक्षम बनाया। यीशु बुलाता है राष्ट्रीय प्रार्थना भवन को हर दिन पूरे भारत से उन लोगों से तत्काल प्रार्थना अनुरोध प्राप्त होते हैं जो इन समस्याओं से जूझ रहे हैं:

- **गंभीर आर्थिक कठिनाइयाँ**
- **बेरोजग़ारी और नौकरी की असुरक्षा**
- **बच्चों की शिक्षा और भविष्य की चिंताएँ**
- **बंधन, व्यसन और आध्यात्मिक उत्पीडऩ**
- **कैंसर सहित दीर्घकालिक बीमारियाँ, जिनमें कई लोग ईश्वरीय चंगाई की लालसा रखते है**

परमेश्वर राष्ट्रीय प्रार्थना भवन के माध्यम से आगे बढ.रहे है

सरकार और लोगों के लिए चौबीसों घंटे की जा रही प्रार्थनाओं के साथ, शक्तिशाली चमत्कार सामने आ रहे हैं। यहाँ कुछ भविष्यवाणियों की पूर्तियाँ दी गई है जिन्होंने अनेक लोगों के विश्वास को मजबूत किया है:

- **अक्टूबर 2023 में, राष्ट्रीय प्रार्थना भवन के एक प्रार्थना मध्यस्थ ने भविष्यवाणी की थी कि पूरे भारत में बडे.पैमाने पर सडक़ निर्माण शुरू होगा। तब से, आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा, मेघालय आदि में बडे.पैमाने पर सडक़ निर्माण कार्य शुरूहो चुके है।**
- **फरवरी और मार्च 2024 में, एक भविष्यवाणी जारी की गई थी कि डॉ शिल्पा सैमूएल दिनाकरन और बहन स्टेल्ला रमोला को संतान प्राप्ति का आशीर्वाद प्राप्त होगा। परमेश्वर ने कृपापूर्वक इस प्रतिज्ञा को पूरा किया है। उसकी विश्वासयोग्यता की जय हो!**

राष्ट्रीय प्रार्थना भवन का महत्व

जैसे-जैसे हम 15 अगस्त को भारत के स्वतंत्रता दिवस के करीब पहुँच रहे हैं, हमें याद दिलाया जाता है कि राष्ट्रीय प्रार्थना भवन पूरे देश के आशीर्वाद के लिए परमेश्वर की प्रार्थना का केंद्र है।

विभिन्न इलाकों से बीस प्रार्थना मध्यस्थ, देश के लिए प्रार्थना और भविष्यवाणी करने हेतु एक महीने के लिए दिल्ली स्थित राष्ट्रीय प्रार्थना भवन में आते हैं और ठहरते हैं।

वे इस प्रार्थना भवन से दिन के 24 घंटे, सत्ता के गलियारों की ओर देखते हुए, देश के लोगों को प्रभावित करने वाली समस्याओं के समाधान, परमेश्वर की सेवकाई के द्वार खुलने, परमेश्वर की महिमा पूरे देश पर अवतरित होने और राष्ट्र में उसकी इच्छा पूरी करने हेतु देश के नेताओं पर परमेश्वर की बुद्धि और उनके प्रकाशन के प्रकट होने के लिए, बारी-बारी से प्रार्थना करते हैं। जब प्रार्थना मध्यस्थ प्रार्थना करते हैं, तो पवित्र आत्मा कई बातें प्रकट करता है और वे इन भविष्यवाणियों पर दावा करते हैं और उनके लिए प्रार्थना करते हैं। ये विशिष्टभविष्यवाणियाँ दर्ज की गई हैं और परमेश्वर अपने समय पर इन्हें पूरा करने के लिए वफादार है (सभोपदेशक 3:11; हब 2:2, 3; इब्रा 10:23)

देश के लिए प्रार्थना में सहभागी बनें

आपका उदार योगदान समर्पित प्रार्थना मध्यस्थों के माध्यम से प्रार्थना के चक्र को गति प्रदान करता है। जैसे-जैसे देश पर आशीर्वाद बरसेगा, वैसे-वैसे वे आपके जीवन में भी उमडेंगे। इस दिव्य मिशन में हमारे साथ जुडें। आइए, हम सब मिलकर अपने देश के लिए आशीर्वाद बनें।

- **रु 30,000 के दान से एक मध्यस्थ की प्रार्थना का समर्थन करें**
- **रु 1,50,000 के दान से 5 मध्यस्थों की प्रार्थना का समर्थन करें**
- **रु 3,00,000 के दान से 10 मध्यस्थों की प्रार्थना का समर्थन करें**

इस राष्ट्रीय प्रार्थना भवन के लिए जब आप दान देंगे और हमारे साथ सहभागी बनेंगे, तो देश के लिए की गई आपकी प्रार्थनाएँ प्रभु द्वारा आपकी धार्मिक पुकार के रूप में याद की जाएँगी, और वह आप पर अपना प्रतिफल प्रचुर मात्रा में उंडेलेंगे।

आपके बलिदान के माध्यम से, हम विभिन्न प्रकार के खर्चों को भी पूरा कर पाएँगे, जैसे कि बुनियादी ढाँचे का उन्नयन, किराया, रखरखाव, वेतन, और भी बहुत कुछ।

हम प्रार्थनापूर्वक आपको देश में आशा और चंगाई लाने के इस मिशन में सहभागी बनने के लिए आमंत्रित करते है। आपकी सहायता प्रार्थनाओं के माध्यम से पूरे देश में परिवर्तन लाने में मदद कर सकती है।

अधिक प्रभाव के लिए स्वयंसेवकों की आवश्यकता

भारत के सभी लोगों तक पहुँचने के लिए, हमें तैनात करने की आवश्यकता है:

- 350 प्रार्थना मध्यस्थ, राजदूत, युवा अगुवे और प्रचारक
- यदि परमेश्वर आपको प्रार्थना भवन में स्वयंसेवा करने के लिए बुलाता हैं, तो कृपया हमारी टीम में शामिल होवें और देश के आशीर्वाद बनें।

आइए हम साथ मिलकर उठें और निर्माण करें

दान करने के तरीके: देखें: www.jesuscalls.org **या सुरक्षित रूप से दान करने के लिए नीचे दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करें अधिक जानकारी के लिए या स्वयंसेवा करने के लिए, प्रार्थना भवन प्रबंधक से सुबह 8 बजे से रात 8 बजे के बीच संपर्क करें या**
volunteer@jesuscalls.org **पर लिखें**

'जो आँसुओं के साथ बोते है, वे आनन्द के गीत गाते हुए काटेंगे।' (भजन संहिता 126:5)

प्रभु आपको भरपूर आशीर्वाद दें जब आप हमारे प्यारे देश के लोगों तक अपना प्रेम, सामर्थ और उद्देश्य पहुँचाने में शामिल होवें।

मेरे प्यारे दोस्त,
खुश और आभारी रहें कि आप इस महीने में इतनी दूर तक पहुँच गए हैं। युवा होने के नाते, हम परमेश्वर के साथ और भी मजबूत होते जाएँगे। इस महीने, प्रभु ने एक खूबसूरत वादा किया है कि वह आप के दिल की गहरी इच्छाओं को पूरा करना शुरूकरेंगे।

इच्छाएँ पूरी हुई

- भाई सैमूएल दिनाकरन

युवा वर्ग

जी हाँ, यह वादा पूरा होने का मौसम है। हो सकता है आप के दिल में गहरी इच्छाएँ हैं और आप प्रार्थना कर रहे हैं, 'हे प्रभु, अगर यह हो जाए तो कितना अच्छा होगा!' मैं आप को यकीन दिलाता हूँ कि ईश्वर आप के दिल को देखता है। वह अभी भी तुम्हारी इच्छाओं को देखता है।

एक बार एक छोटी बच्ची अपने कमरे में जोर-जोर से चिल्ला रही थी, 'हे परमेश्वर, मुझे एक नई साइकिल दे दो! कृपया मुझे अभी दे दो!' उसकी माँ दौडती हुई आई और पूछा, 'तुम चिल्ला क्यों रही हो, प्यारी बेटी? परमेश्वर तुम्हें सुन सकता है। तुम्हारे चिल्लाने की जरूरत नहीं है।' लेकिन उस छोटी बच्ची ने मासूमियत से जवाब दिया, 'मुझे पता है कि परमेश्वर मेरी बात सुन सकते हैं, लेकिन आप नहीं सुन सकते। और जब तक आप नहीं सुनेंगे, मुझे साइकिल नहीं मिलेगी!'

क्या ही बच्चों जैसा विश्वास है! लेकिन स्वर्ग में हमारा एक पिता है जो सुनता है, समझता है और बिना देर किए जवाब देता है। वह आपकी पुकार को अनसुना नहीं करता। वह आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता है और आपके चेहरे पर मुस्कान लाना चाहता है।

भजन संहिता 20:4 में बाइबल कहती है:

'वह तेरे मन की इच्छा पूरी करे और तेरी सारी योजनाएँ सफल करे।'

यीशु का आना और हमारी छोटी-बडी सभी इच्छाओं को देखना और उन्हें पूरा करना कितनी प्रेमपूर्ण बात है!

दीर्घकालिक इच्छाएँ

हो सकता है कि आप बहुत लंबे समय से किसी लालसा को दबाए हुए हों। शायद आप किसी टूटे हुए रिश्ते के फिर से जुडने की चाहत रखते हों, अपने पिता के परिवार में वापस आने की चाहत रखते हों, किसी पुरानी बीमारी से ठीक होने के लिए तडप रहे हों, या शादी, पढाई, करियर के जरिए जिंदगी का एक नया अध्याय शुरू करने के लिए प्रार्थना कर रहे हों।

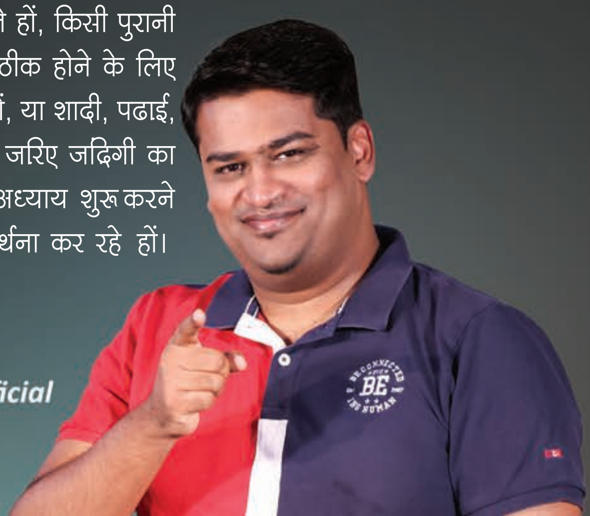

samuel@jesuscalls.org samueldhinakaranofficial

हो सकता है आपने यह भी पुकारा हो, 'हे प्रभु, कब तक?'

आज, अपनी इस इच्छा को परमेश्वर के हाथों में सौंप दीजिए। उनसे कहिए, 'प्रभु, मैंने अपने परिवार में शांति लाने, अपनी स्थिति सुधारने और अपनी शादी को व्यवस्थित करने के लिए हर संभव प्रयास किया है। लेकिन अब, मैं इसे आपके हाथों में सौंपता हूँ।'

फिलिप्पियों 4:6 कहता है:

'किसी भी बात की चिंता मत करो, परन्तु हर परिस्थिति में प्रार्थना और विनती के द्वारा, धन्यवाद के साथ, अपनी विनती परमेश्वर के सामने रखें।'

जब आप प्रार्थना और विनती के माध्यम से अपनी इच्छा समर्पित करते हैं, तो उसके बाद धन्यवाद भी दीजिए। परमेश्वर को धन्यवाद देना विश्वास दर्शाता है। आप कह रहे हैं, 'प्रभु, मुझे पता है कि आपने कार्यभार संभाल लिया है। अब मुझे कोई चिंता या बोझ नहीं है। अब कार्य करने की आपकी बारी है।' और सचमुच, हमारे प्रभु इसे पूरा करने में सक्षम हैं!

यहाँ तक कि जब आपको तुरंत परिणाम न दिखें, तब भी उनका धन्यवाद करते रहें। परदे के पीछे, परमेश्वर पहले से ही कार्य कर रहे हैं और परिस्थितियों को व्यवस्थित कर रहे हैं, लोगों को तैयार कर रहे हैं, और दिव्य नियुक्तियों की व्यवस्था कर रहे हैं।

संसाधनों की कमी

आप निराश हो सकते हैं और कह सकते हैं, 'प्रभु, मेरे पास इसे पूरा करने के लिए संसाधन भी नहीं हैं। न पैसा, न संपर्क, न अवसर। यह कभी कैसे पूरा होगा?'

क्या आपको वह लडका याद है जिसके पास सिर्फ.पाँच रोटियाँ और दो मछलियाँ थीं? उसने जो थोडा-बहुत था, वह यीशु को दे दिया। यीशु मुस्कुराए, उसे आशीर्वाद दिया और हजारों लोगों को खिलाने के लिए उसे कई गुना बढा दिया। यही विश्वास की शक्ति है!

जो थोडा-बहुत आपके पास है, उसी से शुरुआत करें। हर चीज.के सही होने का इंतजार न करें। जो कुछ भी परमेश्वर ने आपको दिया है, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो, उसका उपयोग करें और अपना पहला कदम उठाएँ। जब आप विश्वास के साथ आगे बढेंगे, तो परमेश्वर सही समय पर आपको संसाधन के बाद संसाधन प्रदान करेंगे।

> **"थोडे.समय के लिए त्याग करने से अक्सर भविष्य में बडे.फल मिलते हैं"**

क्षमता की कमी

कभी-कभी आप कह सकते हैं, 'प्रभु, मेरे पास तो यह इच्छा पूरी करने की भी क्षमता नहीं है!' लेकिन यहाँ एक रहस्य छिपा है: बाइबल कहती है कि यीशु अपने सांसारिक माता-पिता के आज्ञाकारी थे, और इसी वजह से, उनकी बुद्धि, कद और परमेश्वर और मनुष्य का अनुग्रह बढता गया (लूका 2:52)। यह हमें याद दिलाता है कि आज्ञाकारिता से विकास होता है।

परमेश्वर ऐसे हृदय से प्रेम करते हैं जो उनकी इच्छा के अनुरूप हो। जब आपकी इच्छाएँ परमेश्वर की योजना में निहित होती हैं, तो आनंद स्वाभाविक रूप से प्रवाहित होगा। लेकिन अगर आपकी इच्छा पूरी तरह से स्व-प्रेरित है, तो आपको स्वयं आनंद पाने के लिए कडी मेहनत करनी होगी। अपनी इच्छा को पिता की इच्छा के साथ मिलाएँ और देखें कि वह आपको कैसे पूर्णता की ओर ले जाता है।

परमेश्वर आपके मार्गदर्शन के लिए आपके माता-पिता या बडों का भी उपयोग कर सकता है। कभी-कभी उनकी कही बातें आपकी व्यक्तिगत इच्छाओं के विपरीत हो सकती हैं, लेकिन कठिन समय में भी आज्ञाकारी बने रहने से दीर्घकालिक आशीर्वाद प्राप्त होते हैं। थोडे.समय के लिए त्याग करने से अक्सर भविष्य में बडे. फल मिलते हैं। आज्ञाकारिता अनुग्रह को आमंत्रित करती है।

मेरे प्यारे दोस्त, परमेश्वर पर भरोसा रखो। अपनी इच्छा उसके हाथों में सौंप दो, विश्वास के साथ प्रार्थना करें, और उसके पूरा होने से पहले ही धन्यवाद दें। ऐसा सिर्फ.एक बार नहीं, बल्कि पूरे महीने लगातार करें।

यह वह महीना हो सकता है जब आपकी इच्छाएँ पूरी होने लगें क्योंकि परमेश्वर विश्वासयोग्य है। वह आपको निराश नहीं करेगा। इसलिए प्रार्थना करो, विश्वास रखो, आज्ञा मानो और धन्यवाद दो। देखो कैसे परमेश्वर आपकी गहरी इच्छाओं को साकार करता है।

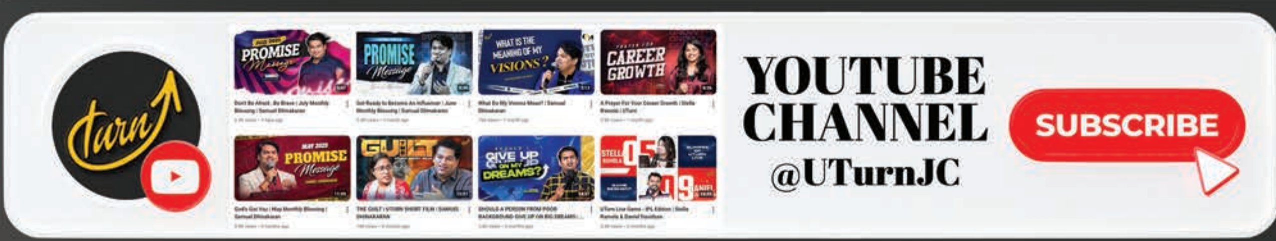

प्रभु के कार्यों में वृद्धि

- बहन स्टेल्ला दिनाकरन

'दृढ़ और अटल रहो, और प्रभु के काम में सर्वदा बढ़ते जाओ, क्योंकि यह जानते हो, कि तुम्हारा परिश्रम प्रभु में व्यर्थ नहीं है।' (1 कुरिन्थियों 15:58)

बाइबल में हम स्पष्ट रूप से पढ़ते हैं कि हमारा परमेश्वर वही है, जिसने संसार की हर चीज़ को शून्य से रचा है। नूह के जीवन में, जिसने निष्ठापूर्वक उसकी खोज की, परमेश्वर ने उसे और उसके परिवार को, विनाश की स्थिति में भी, आशीर्वाद देकर बढ़ाया, 'फूलो-फलो, और पृथ्वी में भर जाओ' (उत्पत्ति 9:1,7)। इसके अलावा, उत्पत्ति 22:27 में, उसने अब्राहम को, जब वह अभाव में था, आशीर्वाद दिया और कहा, 'मैं तुझे आशीष दूँगा, और तेरे वंश को बढ़ाऊँगा।' उसने अपने जीवन में इसे पूरा किया!

प्रियजनो! आज, आप बहुत अभावों में हो सकते हैं और अपनी जरूरतों और इच्छाओं को लेकर परेशान हो सकते हैं। आइए देखें कि वृद्धि और गुणज का यह आशीर्वाद पाने के लिए आपको क्या करना चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे अब्राहम और नूह जैसे परमेश्वर के लोगों ने ईश्वरों के परमेश्वर को थामे रहकर प्राप्त किया था?

'विश्वास में दृढ़ रहें' (कुलुस्सियों 2:7)

'जो कुछ परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है, वह संसार पर जय प्राप्त करता है, और वह विजय जिस से संसार पर जय प्राप्त होती है हमारा विश्वास है।' (1 यूहन्ना 5:4)

'धमी जन विश्वास से जीवित रहेगा' (रोमियों 1:17; गलतियों 3:11; इब्रानियों 10:38; हबक्कूक 2:4)

'और जो कुछ तुम प्रार्थना में विश्वास से मांगोगे, वह सब तुम्हें मिलेगा।' (मत्ती 21:22)

अब्राहम, जिसके कोई संतान नहीं थी, ने अपना पूरा विश्वास प्रभु और उनके द्वारा दिए गए वचन पर रखा और बुढ़ापे में उसे पुत्र इसहाक का आशीर्वाद मिला (रोमियों 4:17-21) इसी प्रकार, अय्यूब, जिसने अपने पारिवारिक जीवन की सभी आशीषें खो दी थीं, ने प्रभु पर पूर्ण विश्वास रखते हुए कहा, 'जब वह मुझे ताएगा, तब मैं सोने के समान निकलूँगा' (अय्यूब 23:10)। हम बाइबल में पढ़ते हैं कि परिणामस्वरूप उसे प्रभु से दुगुनी आशीषें प्राप्त हुई (अय्यूब 42:10)। जिन दिनों प्रभु यीशु मसीह इस पृथ्वी पर थे, एक स्त्री, जिसे बारह वर्षों से रक्तस्राव हो रहा था, छुटकारे के लिए दौड़ी हुई उनके पास आई। जैसा कि हम मरकुस 5:27 में पढ़ते हैं, उसने अपने हृदय में पूर्ण विश्वास किया, 'यदि मैं उसके वस्त्र को छू लूँ, तो चंगी हो जाऊँगी और तुरन्त उसके रक्त का स्रोत सूख गया, और उसने अपने शरीर में महसूस किया कि वह उस कष्ट से ठीक हो गई है (मरकुस 5:29) प्रभु ने भी उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, 'बेटी, तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है। कुशल से जा, और अपने कष्ट से मुक्त हो।'

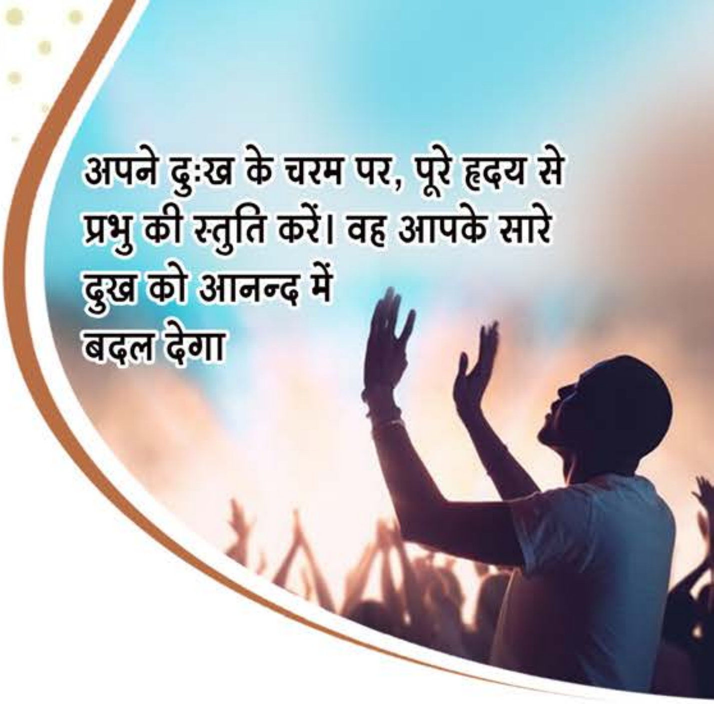

हाँ, प्रियो! आज भी, यह निश्चित है कि जो लोग प्रभु और उनके वचन पर भरोसा और विश्वास रखते हैं, उन्हें तुरंत ही उनका चमत्कार और भरपूर आशीर्वाद प्राप्त होगा।

हमारे पारिवारिक जीवन के शुरुआती दिनों में, हम हर तरफ से परखे गए। 1969 में, मेरे पति के दोनों फेफडे ख़राब हो गए थे। दिन-रात उन्हें भयंकर खांसी और बुखार रहता था। एक दिन, डॉक्टर ने कहा, 'आपके पति की मृत्यु निकट है।' यह सुनकर, मैं अपने कमरे में गई, घुटनों के बल बैठकर हाथ ऊपर उठाकर प्रभु को पुकारा। उसी समय प्रभु ने मुझसे बात की और कहा, 'बेटी, तुम्हारे पति जी उठेंगे और जीवित रहेंगे।' मुझे दृढ विश्वास था कि प्रभु उन्हें अवश्य पूर्ण रूप से स्वस्थ करेंगे क्योंकि उन्होंने मुझसे बात की थी। उस दिन से, मैं पूरे हृदय से प्रभु की स्तुति और धन्यवाद करने लगी। प्रभु ने धीरे-धीरे उन्हें उस भयानक बीमारी से मुक्ति दिलाई, उन्हें चमत्कारिक रूप से ठीक किया और उन्हें अपना काम फिर से शुरूकरने में मदद की। परिणामस्वरूप, प्रभु पर मेरा विश्वास बढता ही गया। उसके बाद, जब यीशु बुलाता है सेवकाई विकसित हो रही थी, तब हमें अनेक कष्टों और क्लेशों का सामना करना पडा और प्रभु ने हममें जो विश्वास बढाया, उसने हमें उन कष्टों से आसानी से पार पाने का अनुग्रह प्रदान किया। इतना ही नहीं, इससे हमें परमेश्वर के अन्य सेवकों को प्रोत्साहित करने में भी बहुत मदद मिली, जो ऐसी ही कठिनाइयों और कष्टों से गुजरते हुए निराश थे।

''बहुतों के द्धारा अधिक होकर परमेश्वर की महिमा के लिये धन्यवाद भी बढाएं'' (2 कुरिन्थियों 4:15)

हम बाइबल में पढते हैं, 'इस्राएल का परमेश्वर, इस्राएल की स्तुति में विराजमान' (भजन संहिता 22:3) और 'हमारे परमेश्वर का भजन गाना भला और मनभावन है; स्तुति सुन्दर है' (भजन संहिता 147:1)

'तुम पेट भरकर खाओगे, और तृप्त होगे, और अपने परमेश्वर यहोवा के नाम की स्तुति करोगे, जिसने तुम्हारे लिये आश्चर्य के काम किए है। और मेरी प्रजा की आशा फिर कभी न टूटेगी।' (योएल 2:26)

हम बाइबल में ऐसा पढते हैं! इसलिए, जब हम उन अद्भुत तरीकों के बारे में सोचते हैं जिनसे प्रभु हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं और उसके लिए उनका धन्यवाद करते हैं, तो वे हमें कभी शर्मिंदा नहीं करेंगे।

पौलुस और सीलास, जो श्रद्धापूर्वक परमेश्वर की सेवकाई कर रहे थे, कष्टों के एक भयानक मार्ग से गुजरे। एक बार, उन्हें यातनाएँ दी गई और जेल में डाल दिया गया। क्या आप जानते हैं कि कष्टों की उस रात उन्होंने क्या किया? आधी रात को, अपने असहनीय कष्टों पर विलाप करने और रोने के बजाय, उन्होंने परमेश्वर से प्रार्थना की और उनके भजन गाए (प्रेरितों के काम 16:25)। अन्य कैदी उनकी बातें सुन रहे थे। अचानक एक बडा भूकंप आया जिससे जेल की नींव हिल गई और तुरंत सभी दरवाजे खुल गए और सभी की बेडियाँ खुल गई। जेल के दरोगा, जिसने यह चमत्कार देखा, ने उस रात एक परिवार के रूप में उद्धार प्राप्त किया और प्रभु को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया।

प्रियजनों, जब आप भी ऐसे कष्टों से गुजरें, तो प्रभु की स्तुति करने का प्रयास करें। निश्चय ही आप चमत्कार देखेंगे।

अपने आध्यात्मिक जीवन के शुरुआती दिनों में, जब भी मैं अकेला होता था, मैं चाहे कोई भी समय हो, घुटने टेककर अपने हृदय की गहराई से प्रभु की स्तुति गाऊँ। उस समय, परमेश्वर की उपस्थिति मुझे लबालब भर देती थी। मैंने अकथनीय आनंद से भर जाने का अनुभव किया है।

प्रभु आपको अपनी पवित्र आत्मा से भर देगा और आपके माध्यम से अपनी महिमा प्रकट करेगा

दाऊद ने भी श्रद्धापूर्वक इस अनुभव का अनुभव किया था और इसीलिए वह लिखता है, 'तू पवित्र है, इस्राएल की स्तुति में विराजमान है' (भजन संहिता 22:3) और 'जिन्होंने उसकी ओर दृष्टि की उन्होंने ज्योति पाई; और उनका मुंह कभी काला न होने पाया।' (भजन संहिता 34:5)

प्रियजनों, जब आप अकेलेपन की ओर अग्रसर हों या जब आप पीडा में तडप़ रहे हों, तो पूरे हृदय से प्रभु का भजन और स्तुति करना शुरूकर दें। तब वह आपके सभी दुखों को आनंद में बदल देगा। परमेश्वर की उपस्थिति आपको भरपूर मात्रा में भर देगी। आपके सभी बंधन टूट जाएँगे और आप चमत्कार देखेंगे।

पवित्र आत्मा की शक्ति से आशा प्रचुर होगी और वह आपको आनंद और शांति से भर देगा!

'परमेश्वर जो आशा का दाता है तुम्हें विश्वास करने में सब प्रकार के आनन्द और शान्ति से परिपूर्ण करे, कि पवित्र आत्मा की सामर्थ से तुम्हारी आशा बढती जाए।'

(रोमियों 15:13)

प्रियजनों, यदि आपका जीवन मसीह द्वारा प्रदत्त आनन्द और शान्ति से भरा है, तो आपको और किस आशीष की आवश्यकता है? आज, शांति की कमी के कारण, बहुत से लोग यह न जानते हुए कि क्या करें, अपना जीवन समाप्त कर लेते हैं। लेकिन बाइबल कहती है,

'जवान सिंहों को तो घटी होती है और वे भूखे भी रह जाते हैं; परन्तु यहोवा के खोजियों को किसी भली वस्तु की घटी न होवेगी।'

(भजन संहिता 34:10)

हम इसे कैसे और कब प्राप्त कर सकते हैं? प्रेरितों के काम की पुस्तक के दूसरे अध्याय में, हम उन शिष्यों के बारे में पढते हैं, जो यीशु के साथ थे, और उसके मार्गदर्शन के अनुसार पवित्र आत्मा की सामर्थ्य से परिपूर्ण हो गए। इस अनुभव के बाद, वे अपने आध्यात्मिक जीवन में सशक्त हुए, आशा से भरपूर हुए और यीशु के समान ईश्वरीय उत्साह के साथ जीवन व्यतीत किया। साथ ही, वे बहुतों के लिए बहुत सांत्वना और आशीष का स्रोत भी बने। इसके बारे में हम 1 पतरस 1:8 में पढते हैं कि हम 'अवर्णनीय आनन्द और महिमा से परिपूर्ण' होंगे।

वे इस दिव्य शक्ति से कब परिपूर्ण हुए?

'ये सब कई स्त्रियों और यीशु की माता मरियम और उसके भाइयों के साथ एक चित्त होकर प्रार्थना में लगे रहे।'

(प्रेरितों 1:14)

यही बात प्रेरितों 2:1 में भी पढी जा सकती है। बाइबल कहती है कि वे सभी यीशु के समान सामर्थ्य और महिमा से परिपूर्ण थे (प्रेरितों 2:4)

इसी प्रकार यीशु बुलाता है सेवकाई का जन्म हुआ। आपको भी एक परिवार के रूप में, महिलाओं के रूप में या युवाओं के रूप में एकत्रित होकर परमेश्वर की उपस्थिति में प्रार्थना में प्रतीक्षा करनी चाहिए। प्रभु आपको भी अपनी पवित्र आत्मा की शक्ति से भरेंगे और आपके माध्यम से अपनी महिमा प्रकट करेंगे। वह आपको व्यक्तिगत रूप से और एक परिवार के रूप में अपने कार्यों में बढाएँगे और आपको आशीष देंगे। साथ ही, वह आपके माध्यम से और भी कई लोगों को प्रचुर आशीषें प्रदान करेंगे।

जिम और जेमी

शिक्षा: खेल शरीर को मजबूती और जीवन के लिए अनुशासन प्रदान करते है।

याद रखने योग्य पवित्रशास्त्र का वचन:
'भक्ति सब बातों के लिये लाभदायक है...'
(1 तीमुथियुस 4:8)

Karunya University, located in the serene foothills of the Western Ghats, celebrated its **31st Convocation Ceremony** on July 12, 2025, with great splendour and academic pride.

A momentous convocation with
Honorable Chief Minister of Mizoram
Shri Lalduhoma
as Chief Guest and Doctorate Awardee

The Chancellor, **Dr. Paul Dhinakaran**, in his inspiring address, emphasized the university's commitment to driving technological innovation and societal transformation through value-based education.

He encouraged graduates to become ethical leaders and change-makers, blending excellence in their professions with compassion for the world around them. He also presided over the awarding of degrees, medals, and special honours.

The ceremony was graced by the **Honourable Chief Minister of Mizoram, Shri Lalduhoma,** who served as the **Chief Guest**. In his convocation address, Shri Lalduhoma praised Karunya as a model of faith-driven education and technological progress, urging graduates to let purpose guide their lives and to act as agents of positive change.

Shri Lalduhoma**,** was conferred with the **Degree of Doctor** of Letters *(Honoris Causa)* in recognition of his exemplary public service and visionary leadership.

Printed by G.L.B.Ernest and Published by G.L.B.Ernest on behalf of Jesus Calls and Printed at Rasi Graphics Private Limited, DP 69-71-A, Sidco Industrial Estate, Thirumazhisai, Poonamallee Taluk, Thiruvallur District. and pubished at 16, Dr. D.G.S. Dhinakaran Salai, Chennai - 28, Editor: G.L.B.Ernest

In a touching gesture, the graduating students immediately extended support to individuals with disabilities by donating assistive devices and wheelchairs. This act showcased their commitment to creating a positive impact.

Karunya Deemed University's 31st Convocation embodied academic excellence, social responsibility, and compassion. Equipped with their degrees, the graduates are empowered to tackle the world's pressing challenges and make a significant difference in the society.

'Caps in the Air: Press Release Highlights'

Accreditation: NAAC A++ Grade | NBA Engineering and Management Programs | ACCA B.Com and Management Programs | ICAR B.Sc. (Hons.) Agriculture Program

India Rating: QS I-GAUGE Platinum

Global Ranking: THE World University Rankings 2025 1201-1500 Band

CATEGORY 1 Institution UGC GoI.

HIGHEST CTC OF ₹71 LAKHS PER ANNUM

Academic Collaborations: Phoenix Medical Systems (P) Ltd | Google | edveon | FESTO | suez | AMARON | Microbiological Laboratory | ZOHO

A few of our university partners: University of Sharjah, UAE | Ben-Gurion University of the Negev, Israel | b-tu, Germany | Western Sydney University, Australia | Château Mukhrani, Georgia | Germany | Kansas State University, USA | Taiwan | Nottingham Trent University, UK | NUS, Singapore | Pukyong National University, South Korea | Swinburne, Australia | Taiwan | Tel Aviv University, Israel | The University of British Columbia, Canada

Scan QR Code to Start the Admission Process

Programs Offered:

ENGINEERING | AGRICULTURE | MANAGEMENT | ARTIFICIAL INTELLIGENCE | COMMERCE
FORENSIC SCIENCE | DIGITAL SCIENCES | HEALTH SCIENCES | MEDIA | ONLINE MBA

ADMISSIONS 2025
Closing Soon

Karunya Institute of Technology and Sciences,
Karunya Nagar, Siruvani Main Road, Coimbatore - 641 114. Tamil Nadu, India.
E-mail: admissions@karunya.edu • Website: www.karunya.edu
Toll Free: 1800 88 99 888, 1800 42 54 300
For more details contact: **94425 03407, 94425 03422**

REGISTERED NEWSPAPER PRGI No. TNHIN/2003/11592

यह रात भर चलने वाली प्रार्थना देश भर के सभी प्रार्थना भवनों में एक साथ आयोजित की जाएगी।
हम सभी का हार्दिक स्वागत करते हैं कि आप अपने
निकटतम प्रार्थना भवन में आकर इसमें भाग लें।

REGISTERED NEWSPAPER PRGI No. TNHIN/2003/11592

SEESHA
LET'S GIVE LIFE

कल सफल होने के लिए आज
कौशल से सुसज्जित हो रहे हैं

भारत में लगभग 12.9 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में जी रहे हैं और प्रतिदिन भारी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। कई लोगों के लिए, बेरोजगारी प्रगति में एक बड़ी बाधा है। यह समस्या विशेष रूप से वंचित युवाओं के बीच गंभीर है, जो निम्न शिक्षा और कौशल स्तर और संसाधनों तक सीमित पहुँच से जूझते हैं।

भारत भर में लक्षित व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से, सीशा वंचित युवाओं और महिलाओं को उद्योग की माँगों को पूरा करने और स्थायी आजीविका सुरक्षित करने के लिए कौशल प्रदान कर रहा है।

हमारे हालिया कार्यक्रमों की कुछ मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

- **पिछले वित्तीय वर्ष में हमारे चेन्नई और रांची प्रशिक्षण केंद्रों में लगभग 250 छात्रों को क्रमशः टैली ईआरपी और कंप्यूटर फंडामेंटल पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया था। अब तक, उनमें से 60% को उच्च वेतन वाली नौकरियों में नियुक्त किया जा चुका है।**
- **पिछले वित्तीय वर्ष में भारत भर में 624 से अधिक वंचित महिलाओं को सिलाई, ब्यूटीशियन, आरी कार्य और अन्य मांग वाले व्यवसायों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।**
- **313 से ज्यादा लोगों को वित्तीय साक्षरता, ईडीपी और सीशा प्रशिक्षण केंद्र दिया गया।**

प्रशिक्षण से कमाई तक!

'कॉलेज के बाद, मुझे प्रासंगिक उद्योग कौशल की कमी के कारण नौकरी ढूँढने में काफी मुश्किल हुई। जब मैंने एक किफायती टैली प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने की सोची, तो मुझे चेन्नई में सीशा प्रोजेक्ट्स सेंटर मिला और मैंने उनके टैली ERP कोर्स में दाखिला ले लिया। उनके प्रशिक्षण ने मुझे टैली, माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस और डिजिटल कौशल से लैस किया। उनकी प्लेसमेंट सहायता की बदौलत, अब मैं एक प्रतिष्ठित टायर रिटेल फर्म में अकाउंट्स असिस्टेंट के रूप में काम करता हूँ और रु 15,000 मासिक कमाता हूँ!' – **पी.ए. रेग्लैंड, टैली प्रशिक्षण लाभार्थी,** कवलकिनारू

नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत के साथ, हम कई वंचित स्थानों पर शिक्षण और कौ शल प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने की योजना बना रहे हैं ताकि कमजोर बच्चों और युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अवसर प्रदान किए जा सकें और उनका भविष्य उज्जवल हो सके। आप भी इस नेक मिशन में हमारे साथ जुड़ सकते हैं:

- **C लर्निंग सेंटर में एक छात्र की शिक्षा में सहयोग करें: रु 350/माह**
- **व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रायोजित करें: रु 500/व्यक्ति**
- **कंप्यूटर कौशल प्रशिक्षण प्रायोजित करें: रु 850/व्यक्ति**

DONATE TO SEESHA

ALL DONATIONS ARE TAX-EXEMPTED UNDER SECTION 80G

UPI ID : 9384015155@okbizaxis

UPI: G Pay, PhonePe, Paytm, UPI, Amazon pay
Wallets: OLA MONEY, freecharge, MobiKwik, JioMoney

You can also donate through **www.cashfree.com/payme/seesha**

044 66660000
+91 9300 600 600

www.seesha.org
info@seesha.org

* When you Donate send the Details to +91 9300 600 600

SEESHA house No.37, Gandhi Road, Tambaram (West), Chennai - 600045